मुंबई, जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, रायपुर, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-02अंक-174 ●मुंबई ●गुरुवार , 12 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ●कार्तिक शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।



कुलगाम में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल

बाइक सवार हमलावरों ने 15 सेकेंड में की करीब 30 राउंड फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए सीआरपीएफ के अखरान कैंप पर हमला कर दिया। बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में तीन जवान घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हमलावरों की तलाश में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, हमला दोपहर करीब 2.15 बजे हुआ। उस समय सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन के जवान अखरान कैंप के पास नाका ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान बाइक सवार हमलावर वहां पहुंचे और जवानों पर गोलियां बरसाने लगे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमले में हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो तथा राकेश दास घायल हुए हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है।

हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हमलावर करीब 15 सेकेंड के भीतर लगभग 30 राउंड फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अचानक गोलियां चलने और जवानों के बीच अफरा-तफरी की आवाजें सुनाई दे रही हैं। घटना के बाद वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल जवानों का हाल जाना और हमले की जानकारी ली। कुलगाम दक्षिण कश्मीर का संवेदनशील जिला है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में आतंकियों की गतिविधियां

स्वच्छ सर्वेक्षण में नवी मुंबई देश में अव्वल सूरत दूसरे और विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर

लगातार 10 वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार जीतने वाले शहर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित



मुंबई, यश भारत । स्वच्छता के क्षेत्र में महाराष्ट्र ने देशभर में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नवी मुंबई को देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। सुपर स्वच्छ लीग की रैंकिंग में नवी मुंबई ने पहला, गुजरात के सूरत ने दूसरा और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ने तीसरा स्थान हासिल किया है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नवी मुंबई को प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। महापौर सुजाता पाटील ने उपमहापौर दशरथ भगत, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे और शहर अभियंता शिरीष आरदवाड की उपस्थिति में पुरस्कार स्वीकार किया।

दसवें स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने देशभर के शहरों का मूल्यांकन किया। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में ग्रेटर विशाखापत्तनम पहले, जबलपुर दूसरे और लखनऊ तीसरे स्थान पर रहा। तीन से दस लाख आबादी वाले शहरों में उज्जैन ने पहला, चंडीगढ़ ने दूसरा और गुंटूर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

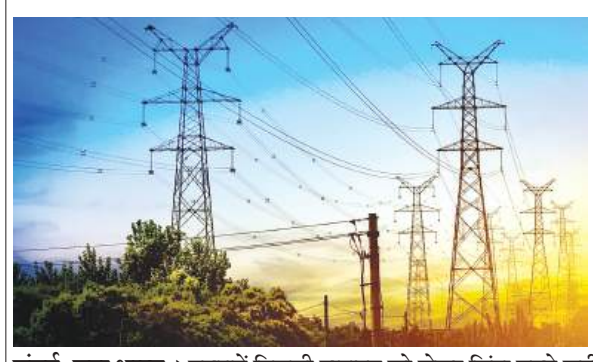
विशेष श्रेणियों में मध्य प्रदेश के रीवा को सबसे स्वच्छ नदी किनारे का शहर, उत्तराखंड के रुद्रपुर को सबसे स्वच्छ हिमालयी शहर और ओडिशा के पुरी को सबसे स्वच्छ तटीय शहर चुना गया।

नवी मुंबई लगातार दस वर्षों से स्वच्छता प्रतियोगिता में राष्ट्रीय पुरस्कार जीतता आ रहा है। इस उपलब्धि का श्रेय महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों, अधिकारियों और स्वच्छता अभियान में सहभागी नागरिकों को दिया गया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार कुछ नई श्रेणियों और पहलों को भी शामिल किया गया। मेंटर सिटी श्रेणी में अहमदाबाद को पहला, इंदौर को दूसरा और तिरुपति को तीसरा स्थान मिला। इन शहरों के साथ क्रमशः साणंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी सिटी के रूप में जोड़ा गया था। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल का उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों के अनुभव और व्यवस्थाओं को दूसरे शहरों तक पहुंचाना है, ताकि स्वच्छता के स्तर में सुधार किया जा सके। इस बार नदी किनारे बसे शहरों के लिए रिवर टाउन और अर्बन रिवर फ्रंट्स के तहत विशेष मूल्यांकन किया गया। वहीं, समुद्र तटीय शहरों के लिए कोस्टल एरिया की अलग मूल्यांकन व्यवस्था बनाई गई। इन पहलों के जरिए शहरों की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार स्वच्छता प्रबंधन को परखने का प्रयास किया गया। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए इस बार का स्वच्छता सर्वेक्षण निराशाजनक रहा। लगातार सात साल की मेहनत के बाद भोपाल ने पिछली रैंकिंग में देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का स्थान हासिल किया था, लेकिन इस बार शहर राष्ट्रीय पुरस्कारों की दौड़ से बाहर हो गया। इसकी प्रमुख वजह आदमपुर छावनी में जमा करीब पांच लाख टन पुराने कचरे का निपटान नहीं होना माना जा रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी प्रकरण विचाराधीन है। राजस्थान में भले ही किसी शहर को राष्ट्रीय स्तर की किसी श्रेणी में शीर्ष तीन में जगह नहीं मिली, लेकिन जयपुर को स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि, 10 लाख से अधिक आबादी वाले देश के तीन सबसे स्वच्छ शहरों में जयपुर जगह नहीं बना सका।

महाराष्ट्र में बिजली संकट की आहट

उरण गैस परियोजना ठप; महानिर्मिती के चार उत्पादन संच भी बंद



मुंबई, यश भारत । महारामें बिजली उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। उरण स्थित गैस आधारित बिजली परियोजना में गैस की अनुपलब्धता के कारण उत्पादन पूरी तरह बंद हो गया है। इसके अलावा महानिर्मिती के नाशिक, भुसावल और परली बिजली केंद्रों के चार उत्पादन संच भी अलग-अलग कारणों से बंद हैं। इससे आने वाले दिनों में बिजली आपूर्ति पर दबाव बढ़ने की आशंका है। जानकारी के अनुसार, नासिक और भुसावल के दो उत्पादन संच कम मांग के कारण बंद रखे गए हैं। एक संच में बॉयलर ट्यूब में रिसाव होने से उत्पादन प्रभावित हुआ है, जबकि परली का एक संच नियोजित रखरखाव के लिए बंद है। उरण परियोजना में गैस की कमी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है।

राज्य भार प्रेषण केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, 10 नवंबर को दोपहर दो बजे महाराष्ट्र में बिजली की मांग 21,690 मेगावाट दर्ज की गई। इसमें मुंबई की मांग 2,819 मेगावाट थी। फिलहाल निजी बिजली परियोजनाओं और केंद्रीय हिस्से से मिलने वाली बिजली के कारण आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। हालांकि, गर्मी बढ़ने पर बिजली की मांग 30 हजार मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। ऐसे में बंद उत्पादन संच जल्द शुरू नहीं हुए तो राज्य में बिजली संकट गहरा सकता है।

भारत की उड़ी नींद

काराकोरम में चीन और पाकिस्तान आर्मी ने ड्रोन उड़ाकर LAC के साथ LOC पर भी बढ़ा दी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन-पाकिस्तान रक्षा साझेदारी लंबे समय से रणनीतिक तालमेल, रक्षा-औद्योगिक सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी साझा चिंताओं पर टिकी रही है। काराकोरम-2026 संयुक्त सैन्य अभ्यास इस रिश्ते में एक और कदम आगे है, क्योंकि इसमें दोनों देशों की नियमित सेनाओं के बीच सैन्य जुड़ाव को और बढ़ाया गया है। चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में कोरला के पास एक प्रशिक्षण केंद्र में 14 से 22 अक्टूबर तक आयोजित यह अभ्यास, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) और पाकिस्तानी सेना की नियमित इकाइयों के बीच पहला संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास था। इसका महत्व केवल इसमें की गई गतिविधियों में ही नहीं, बल्कि दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और कार्यप्रणाली की समझ को और गहरा करने की दिशा में हुए बदलाव में है। चूंकि यह इलाका भारत के शक्सगाम घाटी के पास है, ऐसे में चिंता स्वाभाविक है।ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन पर जाने-माने अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हर्ष वी पंत ने एक लेख लिखा है। उन्होंने कहा है कि काराकोराम-2026 को आधिकारिक तौर पर इसे ऊंचे पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद-रोधी अभ्यास के रूप में पेश किया गया था।

राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर राहुल ने जताई थी आशंका

कहा था- सुरक्षा नहीं बढ़ी तो पिता के अंतिम संस्कार में आना पड़ेगा-सोनिया गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग्स- ए जर्नी ऑफ लव' में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या से पहले उनकी सुरक्षा को लेकर उठी चिंताओं का खुलासा किया है। सोनिया ने लिखा है कि राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी की हत्या की आशंका थी। मार्च 1991 में अमेरिका लौटने से पहले राहुल ने कहा था कि यदि पिता की सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो उन्हें जल्द ही उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर लौटना पड़ेगा। सोनिया गांधी के मुताबिक, उस समय राजीव गांधी की जान पर खतरा लगातार बढ़ रहा था, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था कमजोर कर दी गई थी। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी उनकी जान को खतरा बना हुआ था और उन्हें पहले जैसी सुरक्षा नहीं मिल रही थी। सोनिया गांधी की किताब मंगलवार को बाजार में आई है। किताब के कवर पर लगी तस्वीर को राजीव गांधी ने 1986 में क्लिक किया था। इसमें सोनिया ने मार्च 1991 की उस घटना का जिक्र किया है, जब ईस्टर की छुट्टियों के दौरान राहुल अमेरिका से भारत आए थे। उस समय राहुल पढ़ाई के सिलसिले में अमेरिका में रह रहे थे। उन्होंने अपने पिता के साथ बिहार दौरे पर जाने की जिद की। इस दौरे के दौरान राहुल ने जो कुछ देखा, उससे वह बेहद परेशान हो गए। राजीव गांधी जिस खुली जीप में सफर कर रहे थे, उस पर विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं ने पत्थर और ईंटें बरसाईं। यह सब स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में हो रहा था, लेकिन पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। उन्होंने न तो राजीव गांधी को बचाने का प्रयास किया और न ही हमले को रोकने के लिए कोई कदम उठाया। राहुल ने इस घटना के बाद पिता की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। सोनिया ने किताब में लिखा है कि 1984 में प्रधानमंत्री बनने के समय से ही राजीव गांधी को तीन आतंकवादी संगठनों से खतरा था। इन खतरों की जानकारी सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों को भी थी। सोनिया के मुताबिक, दिसंबर में हुई एक समिति की बैठक में फैसला लिया गया था कि राजीव गांधी को मिलने वाली विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) की सुरक्षा जारी रखी जाएगी। इसमें बदलाव तभी किया जाना था, जब नए सिरे से खतरे का आकलन करने के बाद इसकी जरूरत महसूस होती। इसके बावजूद वीपी सिंह सरकार ने अगले ही महीने राजीव गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटा दी।



दस महीने की गिरावट की भरपाई के करीब पहुंचा शेयर बाजार

मुंबई, यशभारत। शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी है। बुधवार को सेंसेक्स 1300 अंक से ज्यादा उछलकर 82,400 के पार पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसमें करीब 1.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, निफ्टी भी 350 अंक की बढ़त के साथ 25,400 के स्तर पर पहुंच गया। इसमें करीब 1.40 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 की शुरुआत में सेंसेक्स 1 जनवरी को 85,188 अंक के स्तर पर था। इसके बाद बाजार में लगातार गिरावट का दौर शुरू हुआ और 1 अक्टूबर को सेंसेक्स लुढ़ककर 71,292 अंक के इस साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स में करीब 16 प्रतिशत यानी 13,896 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। लगातार बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। हालांकि, अक्टूबर की शुरुआत में निचला स्तर छूने के बाद बाजार ने जोरदार वापसी की।

भिवंडी के तालाब में डूबने से 12 साल के बच्चे की मौत, दूसरा गंभीर

मुंबई, यश भारत । भिवंडी के भादवड़ तालाब में बुधवार को डूबने से 12 वर्षीय आयुष मौर्य की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त अनिकेत (12) गंभीर हालत में अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। हादसे से पूरे इलाके में शोक छा गया है।



जानकारी के अनुसार, योगी धाम निवासी आयुष अपने दो साथियों के साथ खेलते हुए तालाब के पास पहुंचा था। इस दौरान आयुष और अनिकेत नहाने के लिए पानी में उतर गए। गहराई का अंदाजा नहीं लगने से दोनों डूबने लगे। बच्चों की चीख सुनकर स्थानीय लोग पहुंचे। एक व्यक्ति ने तालाब में छलांग लगाकर अनिकेत को बचा लिया, लेकिन आयुष लापता हो गया।सूचना पर शांतिनगर पुलिस और बचाव दल ने तलाशी अभियान शुरू किया। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 2.30 बजे आयुष को बाहर निकाला गया। उसे आईजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।



इंजन समेत छह बोगी पटरी से उतरीं, 50 यात्री घायल

कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस डेड एंड के बैरियर से टकराई, लोको पायलट का वीडियो वायरल, बोले- सिग्नल रेड है, ब्रेक काम नहीं कर रहे

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के कामरूप जिले में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में करीब 50 यात्रियों के घायल होने की स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है, हालांकि रेलवे की ओर से सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की बात कही गई है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 6.54 बजे डिगारू स्टेशन पर हुआ। ट्रेन को दूसरी रेल लाइन पर ले जाने के दौरान उसकी गति कम नहीं हो सकी और वह रेलवे ट्रैक के अंतिम छोर पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के साथ पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कुछ डिब्बे दूसरे ट्रैक और आसपास की जमीन पर जा टिके। इस हादसे से पहले का लोको पायलट का करीब 45 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में लोको पायलट इंजन के कंट्रोल पैनल के सामने दिखाई दे रहे हैं। वे कहते सुनाई दे रहे हैं कि सिग्नल रेड है और इमरजेंसी सिस्टम लगाने के बावजूद कुछ काम नहीं कर रहा है। उन्होंने ब्रेक सिस्टम में खराबी की आशंका जताते हुए कहा कि एस-9 और आर-9 भी काम नहीं कर रहे हैं। यह वीडियो सामने आने के बाद हादसे के कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

नेहरू जयंती पर कांग्रेस का 'भारत भाग्य विधाता' कार्यक्रम

तिलक भवन में 13 नवंबर को होगा आयोजन

सुप्रिया सुले और संजय राऊत होंगे शामिल



मुंबई, यश भारत । देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से 'भारत भाग्य विधाता' विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार, 13 नवंबर को शाम 4 से 6.30 बजे तक दादर स्थित तिलक भवन में होने वाले इस कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल , राष्ट्रवादी कांग्रेस की सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना सांसद संजय राऊत प्रमुख रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम में नेहरू के आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान, औद्योगिक और आर्थिक विकास की दूरदृष्टि, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक तथा रोजगार के क्षेत्र में उनके प्रयासों पर चर्चा होगी। इसके अलावा लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता के उनके विचारों को मौजूदा राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व सांसद कुमार केतकर, नाटक एवं फिल्म निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी और कवि सायमन मार्टिन भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में नेहरू के जीवन पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी, पुस्तकों का प्रदर्शन, प्रश्नमंजुषा, %भारत एक खोज% के चुनिंदा अंशों का वाचन और नाट्य प्रस्तुति आयोजित की जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

त्योहार के बाद महंगाई की मार, अब महंगा हुआ दूध

अमूल और मदर डेयरी ने बढ़ाए दाम

12 नवंबर से लागू होंगी अमूल की नई दरें, मदर डेयरी ने भी अलग-अलग श्रेणियों में 2 से 6 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ाई कीमतें



मुंबई, यश भारत । त्योहारों का मौसम खत्म होते ही आम लोगों की जेब पर महंगाई का बोझ बढ़ने लगा है। घरेलू बजट में पहले से शामिल दूध अब और महंगा होने जा रहा है। देश की प्रमुख डेयरी कंपनियों अमूल और मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में वृद्धि की है। अमूल के नए दाम 12 नवंबर से लागू होंगे, जबकि मदर डेयरी ने भी अपनी विभिन्न श्रेणियों के दूध की कीमतें बढ़ा दी हैं।अमूल ने टोन्ड दूध की कीमत में 2 रुपए और फुल क्रीम दूध के दाम में 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस फैसले से रोजाना दूध खरीदने वाले परिवारों का खर्च बढ़ेगा।

उधर, मदर डेयरी ने अलग-अलग श्रेणियों में 2 से 6 रुपए प्रति लीटर तक दाम बढ़ाए हैं। दिल्ली-एनसीआर में टोन्ड दूध की कीमत 58 से बढ़ाकर 60 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। फुल क्रीम दूध अब 72 के बजाय 76 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। डबल टोन्ड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भैंस के फुल क्रीम दूध की कीमत में 6 रुपए की वृद्धि कर इसे 86 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है।डेयरी कंपनियों के अनुसार, पशु आहार, चारा, पैकेजिंग और ईंधन की बढ़ती लागत के कारण कीमतों में संशोधन करना पड़ा है। दूध में फैट की कीमतों में भी पिछले कुछ महीनों के दौरान 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। इसका असर दूध की खरीद लागत पर पड़ा है। कंपनियों का कहना है कि किसानों को उचित भुगतान और दूध की नियमित आपूर्ति बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया था।

अनुज के सिर देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज

मप्र के पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा



जबलपुर, यशभारत। सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया।

सूखा प्रभावित किसानों की मदद के लिए सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने दिए 10 करोड़ रुपए

मुख्यमंत्री फडणवीस को सौंपा सहायता राशि का चेक

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास ने 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी है। न्यास की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सहायता राशि का चेक सौंपा गया। इस



अवसर पर न्यास के अध्यक्ष सदानंद सरवणकर, कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। न्यास की प्रबंधन समिति ने सामाजिक दायित्व के तहत यह निर्णय लिया है। राज्य के कई हिस्सों में कम बारिश से खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचा है। विशेष रूप से मराठवाड़ा और विदर्भ में सोयाबीन तथा कपास की फसल खराब होने से किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। कई इलाकों में पशुओं के चारे और पीने के पानी की समस्या भी गंभीर है। न्यास की इस सहायता से प्रभावित किसानों तक राहत पहुंचाने में राज्य सरकार को मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए न्यास ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 10 करोड़ रुपये दिए थे।

महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने की तैयारी तेज, दिसंबर में पेश हो सकता है विधेयक



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि यूसीसी का मसौदा तैयार किया जा रहा है और सरकार इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिसंबर में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान इस संबंध में विधेयक पेश किया जा सकता है।

दीपावली मिलन कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रावधान है। यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। हालांकि, इसे लागू करने से पहले व्यापक सामाजिक सहमति बनाना जरूरी है। उन्होंने यूसीसी का विरोध करने वाले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। गौरतलब है कि सरकार ने मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति गठित की है। समिति विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों पर सुझाव जुटा रही है।



समृद्धि महामार्ग पर बढ़ेगी पुलिस की निगरानी

हर टोल नाके पर तैनात होंगे दस्ते

मुंबई, यश भारत । समृद्धि महामार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने निगरानी व्यवस्था मजबूत करने का निर्णय लिया है। इसके तहत महामार्ग के प्रत्येक टोल नाके पर पुलिस दस्ते तैनात किए जाएंगे, जो चौबीसों घंटे वाहनों की आवाजाही पर नजर रखेंगे। पुलिस की प्राथमिकता तेज रफ्तार, यातायात नियमों के उल्लंघन और संदिग्ध वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण रखना है। इसके साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाएगा। महामार्ग पर दुर्घटना या किसी अन्य आपात स्थिति में तैनात पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में सहायता करेंगे। इस व्यवस्था से यात्रियों को समय पर मदद मिलने के साथ ही दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एक सदस्य अपात्र होने पर पूरे परिवार का राशन बंद नहीं होगा



राज्य खाद्य आयोग का सरकार को निर्देश

मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र में राशन कार्ड पर परिवार के एक सदस्य के अपात्र पाए जाने पर अब पूरे परिवार को सरकारी राशन योजना से वंचित नहीं किया जा सकेगा। राज्य खाद्य आयोग ने इस संबंध में राज्य सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा है कि केवल एक सदस्य की आर्थिक स्थिति के आधार पर परिवार के अन्य पात्र सदस्यों का राशन बंद करना अन्यायपूर्ण है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों की जांच के दौरान आयकर विभाग, जीएसटी, वाहन पंजीकरण और पीएम किसान योजना के आंकड़ों के आधार पर अपात्र लाभार्थियों की पहचान की जा रही है। हालांकि, आयोग के पास ऐसी शिकायतें पहुंची हैं कि परिवार के एक सदस्य के आयकरदाता होने या उसके नाम पर चारपहिया वाहन होने के कारण पूरे राशन कार्ड पर अनाज का वितरण रोक दिया गया। राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष महेश ढवले ने सरकार को पत्र लिखकर प्रत्येक मामले की जमीनी स्तर पर जांच करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवारों में एक ही राशन कार्ड पर अलग-अलग रहने वाले परिवार भी शामिल होते हैं। ऐसे मामलों में पात्र सदस्यों का राशन बंद नहीं होना चाहिए।

मुंबई में रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले पटाखों पर 25 नवंबर तक प्रतिबंध

बीएमसी ने जारी किया आदेश

मुंबई, यश भारत । मुंबई में पटाखों से आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले इसी तरह के पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध 9 नवंबर 2026 से 25 नवंबर 2026 की रात 11:59 बजे तक लागू रहेगा। बीएमसी के जनसंपर्क विभाग की ओर से 9 नवंबर को जारी सूचना के अनुसार, पिछले दो दिनों में मुंबई शहर और उपनगरों में पटाखों के कारण आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। विशेष रूप से



रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले पटाखे आसपास की इमारतों की छतों, बालकनियों, खिड़कियों और ज्वलनशील सामान पर गिरकर आग का कारण बन सकते हैं। मुंबई में घनी आबादी, ऊंची इमारतों, झुग्गी-बस्तियों, संकरी सड़कों और बड़ी संख्या में आवासीय एवं व्यावसायिक इमारतों को देखते हुए सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

पूरे बीएमसी क्षेत्र में लागू रहेगा प्रतिबंध- शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, यह प्रतिबंध आवासीय इमारतों, टेरेस, छतों, बालकनियों, खुले आंगनों, पार्किंग क्षेत्रों, झुग्गी-बस्तियों और अन्य सभी परिसरों में लागू रहेगा। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराओं के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। पुलिस, वार्ड अधिकारियों और अग्निशमन विभाग को निर्देश आदेश का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित परिमंडल के पुलिस उपायुक्तों, बीएमसी के वार्ड कार्यालयों के सहायक आयुक्तों और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।



मुंबई लोकल में लगेंगे स्वचालित दरवाजे

यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी

मुंबई, यश भारत । मुंबई की लोकल ट्रेनों में अब खुले दरवाजों पर लटककर सफर करने का खतरा कम करने की तैयारी रेलवे ने शुरू कर दी है। मध्य रेलवे की पहली 12 डिब्बों वाली गैर-वातानुकूलित (नॉन एसी) लोकल ट्रेन मुंबई पहुंच गई है। इसमें मेट्रो की तर्ज पर स्वचालित दरवाजे लगाए गए हैं। हालांकि, यात्रियों के लिए सेवा शुरू करने से पहले ट्रेन का विभिन्न रेल मार्गों पर सुरक्षा और परिचालन परीक्षण किया जाएगा। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में तैयार इस ट्रेन में दरवाजे बंद रहने के बावजूद हवा के आवागमन के लिए विशेष जालीदार पैनल और छत पर वेंटिलेटर लगाए गए हैं। सभी डिब्बों को आपस में जोड़ने की सुविधा भी दी गई है, जिससे यात्रियों को भीड़ के समय एक डिब्बे से दूसरे डिब्बे में जाने में आसानी होगी। जून 2025 को दिवा-मुंब्रा के बीच हुए भीषण हादसे में पांच यात्रियों की मौत के बाद स्वचालित दरवाजों वाली लोकल शुरू करने की मांग तेज हुई थी। रेलवे अब इसके परीक्षण के बाद फिटनेस प्रमाणपत्र लेकर नियमित सेवा में शामिल करने का निर्णय लेगा। हालांकि, दरवाजे खुलने और बंद होने में लगने वाले समय से स्टेशनों पर लोकल के ठहराव और समय-सारिणी पर असर पड़ने की आशंका भी है।

इनरव्हील क्लब ने जरूरतमंद परिवारों को राशन किट बांटा

रविंद्र मिश्रा, यश भारत। सेवा और सहयोग की भावना के साथ इनरव्हील क्लब ने जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित कर दीपावली मनाई। महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सक्रिय संस्था ने इस पहल के माध्यम से श्रमिक परिवारों की खुशियों में भागीदारी निभाई। क्लब अध्यक्ष आराधना लुनिया, सचिव छाया कापड़िया और सुनीता नागरे के नेतृत्व में संस्था की टीम नाशिक जिले के निफाड तहसील स्थित म्हालसाकोरे गांव पहुंची। यहां गन्ने की कटाई में जुटे 200 मजदूर परिवारों को चावल, दाल, आटा, शक्कर, तेल सहित अन्य जरूरी खाद्य सामग्री की



राशन किट वितरित की गई। संस्था की पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। सेवा के दीप जलें और हर घर में खुशियां आएं, यही दीपावली मनाने का सच्चा अर्थ है।

...तो एक दिन में खत्म हो जाएगा सतेज पाटिल का साम्राज्यः चंद्रकांत पाटिल

कोल्हापुर, यश भारत । गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष पद पर महायुति के उम्मीदवार की जीत के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में चंद्रकांत पाटिल और कांग्रेस नेता सतेज पाटिल के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का हवाला देते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री ने आंखें तरेर दीं तो सतेज पाटिल का राजनीतिक साम्राज्य एक दिन में खत्म हो सकता है। गोकुल दूध संघ के बाहर आयोजित सभा में चंद्रकांत पाटिल ने सतेज



पाटिल पर तीखे हमले किए। उन्होंने उनकी संपत्ति पर सवाल उठाते हुए सार्वजनिक रूप से संपत्ति का ब्योरा देने और उसके स्रोत बताने की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि गोकुल का इस्तेमाल दूध उत्पादकों के बजाय निजी हितों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सतेज पाटिल पर विपक्षी गठबंधन को अपने तक सीमित रखने का आरोप भी लगाया। वहीं, सतेज पाटिल ने सरकार पर लोकतांत्रिक जनादेश को प्रभावित करने का आरोप लगाया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर अडानी से भिड़ीं खाड़ी की एयरलाइंस

हज यात्रा पर मंडराया संकट



मुंबई, यश भारत । मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की उड़ान क्षमता घटाने के अडानी समूह के प्रस्ताव ने विवाद खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों की विमानन कंपनियों ने इस फैसले का विरोध करते हुए हज और उमरा यात्रियों को होने वाली परेशानी पर चिंता जताई है। अडानी संचालित मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने अप्रैल 2027 से उड़ानों की क्षमता कम करने और कुछ अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों की उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई है। इसके तहत 12 विदेशी विमानन कंपनियों की उड़ानों पर असर पड़ सकता है। गल्फ एयर और सऊदी अरब की सऊदिया एयरलाइंस ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। गल्फ एयर का कहना है कि एयरपोर्ट प्रबंधन एकतरफा तरीके से पहले से आवंटित उड़ान स्लॉट रद्द नहीं कर सकता। कंपनी ने भारतीय विमानन मंत्रालय और संबंधित नियामक संस्थाओं के समक्ष विरोध दर्ज कराने की चेतावनी दी है। वहीं, सऊदिया ने आशंका जताई है कि इस फैसले से हज और उमरा यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होगी। वर्ष 2026 में मुंबई से 26 हजार से अधिक हज यात्री रवाना हुए थे। ऐसे में वर्ष 2027 की हज यात्रा से पहले विवाद का समाधान नहीं हुआ तो यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

छठ पूजा पर मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर उमड़ा जनसैलाब, यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें



मुंबई, यश भारत। छठ पूजा पर बिहार और उत्तर प्रदेश जाने वाले प्रवासी यात्रियों की भारी भीड़ से मुंबई के प्रमुख रेलवे स्टेशन खचाखच भर गए हैं। लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी), सीएसएमटी और बांद्रा टर्मिनस पर यात्रियों की भीड़ के कारण अफरा-तफरी का माहौल है। पवन और गोदान एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के सामान्य और शयनयान डिब्बों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्रियों को धक्कामुक्की करनी पड़ रही है। सामान्य डिब्बों में जगह पाने के लिए लोग 12 घंटे पहले से कतारों में खड़े हैं, वहीं लंबी प्रतीक्षा सूची के कारण आरक्षित सीट मिलना भी मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर, मुंबई से पटना और वाराणसी की उड़ानों का किराया 15 से 22 हजार रुपए तक पहुंचने की जानकारी है। भीड़ नियंत्रित करने के लिए मध्य रेलवे ने प्रतीक्षालय बनाए हैं और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। सीएसएमटी, दादर, एलटीटी, ठाणे और कल्याण स्टेशनों पर 5 से 15 नवंबर तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद है। इसके बावजूद यात्रियों की परेशानी कम नहीं हुई है। हर साल त्योहारों पर उमड़ने वाली भीड़ के बावजूद स्थायी व्यवस्था का अभाव रेलवे के प्रबंधन पर सवाल खड़े कर रहा है।

अनिल पंडित के नाम से दो ऑडियो वायरल, सलमान-आयुष्मान को धमकी

मुंबई, यश भारत । बॉलीवुड में धमकियों का मामला एक बार फिर चर्चा में है। पिछले 24 घंटों में गैंगस्टर अनिल पंडित के नाम से दो कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इनमें अभिनेता आयुष्मान पंडित और सलमान खान को धमकी देने का दावा किया गया है। पहले ऑडियो में सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मुद्दा उठाते हुए बॉलीवुड की कुछ हस्तियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान से फिल्म निर्माण के लिए आर्थिक मदद मिलने का दावा किया गया है। कथित आवाज में आयुष्मान पंडित के चंडीगढ़ स्थित घर का पता होने और उनके करीबियों को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी गई है। दूसरे ऑडियो में सलमान खान से माफी मांगने की बात कही गई है। ऐसा नहीं करने पर उनके करीबियों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। हालांकि, दोनों ऑडियो की प्रामाणिकता और आवाज की



पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इन रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि धमकियों के पीछे वास्तव में कोई गिरोह है या उसके नाम का इस्तेमाल कर दहशत फैलाई जा रही है।

3.36 करोड़ की कोकीन के साथ मेकअप आर्टिस्ट गिरफ्तार



मुंबई, यश भारत । मुंबई के गोरेगांव में बांगुर नगर पुलिस ने 3 करोड़ 36 लाख रुपये की कोकीन के साथ 31 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट फुलचंद ईश्वरदयाल कश्यप को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 6 ग्राम, जबकि मालाड के मढ गांव स्थित उसके घर से 672 ग्राम कोकीन बरामद हुई। पुलिस ने कुल 678 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर की रात गश्त के दौरान शिवम सोसायटी के पास आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में कोकीन मिलने के बाद पूछताछ की गई, जिसमें उसने घर में भी मादक पदार्थ छिपाने की जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि आरोपी अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह के लिए काम करता था और विदेश से कोकीन लाकर मुंबई में आपूर्ति करता था। उसके मोबाइल संपर्कों, संभावित सहयोगियों और खरीदारों की जांच की जा रही है। एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस हिरासत मिली है।

साबरमती जेल में फिर आमने सामने अपराध जगत का इतिहास

जय सिंह, यश भारत । अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत में चर्चित गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई आज गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती जेल में बंद है। दिलचस्प संयोग यह है कि जिस अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के प्रभाव को चुनौती देने की बातें बिश्नोई गिरोह की ओर से सामने आती रही हैं, वह भी करीब 42 साल पहले इसी जेल में कैद रह चुका है। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, वर्ष 1983 के आसपास दाऊद इब्राहिम को तस्करी से जुड़े मामले में गुजरात में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उसे अहमदाबाद की साबरमती जेल में रखा गया। कानूनी प्रक्रिया के बाद उसे रिहाई मिली और वर्ष 1984 के आसपास वह दुबई चला गया। आगे चलकर



उसका नाम अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत में बड़ा हो गया। आज उसी जेल में लॉरेंस बिश्नोई बंद है। दोनों के दौर और अपराध जगत में प्रभाव अलग-अलग हैं, लेकिन जेल एक ही है। करीब चार दशक के अंतराल में दो चर्चित गैंगस्टरों का साबरमती जेल से जुड़ना अपराध जगत के बदलते चेहरों का दिलचस्प ऐतिहासिक संयोग है।

पालघर से काशी तक निकलेगी 14 दिवसीय अहिंसा योग यात्रा



मुंबई, यश भारत। विश्व शांति, अहिंसा, स्वास्थ्य और आत्मजागरण का संदेश लेकर 14 दिवसीय राष्ट्रीय अभियान 'सेव सेल्फ- द अवेकनिंग यात्रा (फेज-2)' 12 नवंबर को महाराष्ट्र के पालघर से शुरू होगा। श्री हरि नारायण सेवा संस्थान एवं पालघर पीठ के तत्वावधान में ब्रह्मर्षि योगीराज श्री भरत भूषण भारतेंदु महाराज के नेतृत्व में निकाली जाने वाली यह यात्रा 25 नवंबर को पालघर लौटकर संपन्न होगी। 'अहिंसा योग नवकार महामंत्र यात्रा 2026' महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों से होते हुए काशी तक पहुंचेगी। यात्रा में योग, प्राणायाम, ध्यान, मंत्र-साधना और अहिंसा के प्रति जनजागरण किया जाएगा। इसका विशेष आकर्षण महाराज द्वारा बांसुरी पर प्रस्तुत नवकार महामंत्र, गायत्री मंत्र, श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव धुन सहित भक्ति संगीत होगा। अभियान के तहत युवा सशक्तिकरण, नशामुक्ति, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति के प्रचार का संदेश भी दिया जाएगा।

कोलकाता-मुंबई उड़ान में हाईजैक की धमकी

वॉशरूम में मिला धमकी भरा नोट, विमान से उतारे गए 93 यात्री

मुंबई, यशभारत। *कोलकाता से मुंबई आने वाली एअर इंडिया की उड़ान में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के वॉशरूम में धमकी भरा नोट मिलने के बाद सुरक्षा के मद्देनजर उड़ान रोक दी गई और उसमें सवार सभी 93 यात्रियों को नीचे उतार दिया गया। इसके बाद विमान को कोलकाता हवाई अड्डे के आइसोलेशन बे में खड़ा कर दिया गया।*



जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया के एयरबस ए-320 नियो विमान को सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी। उड़ान से ठीक पहले वॉशरूम में मिले नोट में सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को सूचना दी। पायलट ने हवाई यातायात नियंत्रण को सतर्क किया, जिसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने विमान को अलग स्थान पर खड़ा कराने का फैसला लिया। विमान में 93 यात्रियों के अलावा पांच चालक दल के सदस्य भी सवार थे। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां विमान तथा यात्रियों के सामान की सघन तलाशी ले रही हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही हैं, ताकि धमकी भरा नोट लिखने वाले की पहचान की जा सके। फिलहाल, हवाई अड्डा प्राधिकरण की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

विदेशी विश्वविद्यालयों को महाराष्ट्र में बुलाने की तैयारी

सस्ती जमीन और बिजली में मिलेगी छूट

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार नई नीति तैयार कर रही है। इसके तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को राज्य में अपने परिसर स्थापित करने के लिए सस्ती जमीन और रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने नीति का प्रारूप तैयार कर लिया है। इसे राजस्व, विधि और अन्य संबंधित विभागों के पास सुझाव एवं आपत्तियां मांगने के लिए भेजा गया है। सभी विभागों की प्रतिक्रिया मिलने के बाद प्रस्ताव मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य मुंबई और पुणे के अलावा नागपुर, नासिक तथा छत्रपति संभाजीनगर जैसे शहरों में भी उच्च शिक्षा के केंद्र विकसित करना है। इसके लिए समृद्धि महामार्ग के आसपास उपलब्ध बेहतर परिवहन सुविधाओं का लाभ उठाने की योजना है। नई नीति के माध्यम से विदेशी विश्वविद्यालयों को निवेश के लिए आकर्षित करने के साथ ही भारतीय शिक्षण संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग बढ़ाया जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि इससे महाराष्ट्र में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। साथ ही विद्यार्थियों को विदेश गए बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

'दादा, आपकी बहनें आपको बहुत याद करती हैं'





अजीत पवार के बिना पहली भाऊबीज पर छलका सुप्रिया सुले का दर्द

पुणे, यशभारत। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के विलय की अटकलों के बीच सांसद सुप्रिया सुले ने भाऊबीज के अवसर पर अपने दिवंगत भाई अजीत पवार को भावुक अंदाज में याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अजीत पवार के साथ मनाई गई पिछली भाऊबीज का वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'दादा, आपकी बहनें आपको बहुत याद करती हैं।' सुप्रिया सुले ने अपने संदेश में लिखा कि अजीत पवार के बिना यह पहली दिवाली और पहला भाऊबीज है। हर साल सभी बहनें इस त्योहार का बेसब्री से इंतजार करती थीं, लेकिन इस बार उनके न होने से पुरानी यादें मन में उमड़ रही हैं। साथ बिताए पल, बातचीत, हंसी-मजाक और बहनों के बीच उनका खुशमिजाज चेहरा आज भी आंखों के सामने है। उन्होंने लिखा कि जो पल कभी सामान्य लगते थे, वे आज बेहद अनमोल हो गए हैं। दादा की कमी को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। वे हमेशा उनके दिलों में रहेंगे। गौरतलब है कि जनवरी 2026 में विमान दुर्घटना में अजीत पवार का निधन हो गया था।

राजेश पाटील बने गोकुल के नए अध्यक्ष

अजीत पवार से करीबी संबंधों का मिला राजनीतिक फायदा

मुंबई, यशभारत। *कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (गोकुल) के अध्यक्ष पद पर महायुति समर्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेश पाटील निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने सतेज पाटील समर्थित राजर्षि शाहू किसान विचारशील गठबंधन के उम्मीदवार शशिकांत पाटील-चुयेकर को हराकर जीत दर्ज की। इस जीत को कोल्हापुर की राजनीति में महायुति की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।*



राजेश नरसिंगराव पाटील चंदगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हैं। उनकी पहचान दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के करीबी और वरिष्ठ नेता हसन मुश्रीफ के विश्वासपात्र के रूप में रही है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने चंदगढ़ से जीत हासिल की थी, लेकिन 2024 के चुनाव में भाजपा के बागी उम्मीदवार शिवाजी पाटील से हार गए थे।

अजीत पवार के प्रति उनकी निष्ठा का एक भावुक किस्सा भी चर्चा में रहा है। उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक अजीत पवार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, तब तक वे सिर पर पगड़ी नहीं बांधेंगे। 2024 में उनकी हार के बाद अजीत पवार ने भी कोल्हापुर दौरे पर पगड़ी नहीं पहनी थी। गोकुल अध्यक्ष बनने के बाद भी राजेश पाटील ने अपना संकल्प कायम रखते हुए पगड़ी नहीं बांधी।

सायन में जाम को लगेगा ब्रेक

125.37 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण, फ्लाईओवर को मिलेंगी दो नई राहें

मुंबई, यशभारत। *सायन फ्लाईओवर पर रोजाना लगने वाले यातायात जाम से वाहन चालकों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने फ्लाईओवर से जुड़ी दो नई भुजाओं के निर्माण की योजना तैयार की है। इस परियोजना पर 125.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और दिसंबर 2028 तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।*

प्रस्तावित दोनों भुजाओं की कुल लंबाई 1.12 किलोमीटर और चौड़ाई 8.5 मीटर होगी। ये सायन सर्कल से शुरू होकर सीधे पूर्वी द्रुतगति मार्ग (ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे) से जुड़ेंगी। इनका निर्माण वर्ष 2003 में बने मौजूदा फ्लाईओवर के समानांतर किया जाएगा। वर्तमान में सायन फ्लाईओवर पर तीन लेन हैं, लेकिन दक्षिण मुंबई की ओर जाने वाले वाहनों के लिए केवल एक लेन उपलब्ध है। इसके कारण चेंबूर और घाटकोपर से दादर तथा दक्षिण मुंबई की ओर जाने वाले वाहन चालकों को प्रतिदिन जाम से जूझना पड़ता है। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, नई भुजाओं के निर्माण से वाहनों का दबाव बंटेगा और यातायात सुगम होगा। इससे पूर्वी उपनगरों से दक्षिण मुंबई तक आने-जाने वाले यात्रियों का समय बचेगा और सायन जंक्शन पर लगने वाले जाम की समस्या कम होगी।

जगह के लिए महिला डिब्बे में छिड़ा संग्राम

मुंबई लोकल में महिलाओं के बीच जमकर मारपीट बरसाए लात-घूंसे और नोचे एक-दूसरे के बाल



मुंबई, यशभारत। *मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनों में यात्रियों के बीच मारपीट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला पश्चिम रेलवे की विरार-चर्चगेट लोकल के महिला डिब्बे का है, जहां जगह को लेकर महिलाओं के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।*

जानकारी के अनुसार, यह घटना दहिसर और विरार रेलवे स्टेशनों के बीच चलती ट्रेन में हुई। अत्यधिक भीड़ के बीच सीट पर बैठने और खड़े होने की जगह को लेकर महिलाओं में पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों की महिलाएं एक-दूसरे पर टूट पड़ीं। मारपीट के दौरान चप्पलों से हमला किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए और बाल पकड़कर खींचे। महिला डिब्बे में अचानक मचे इस हंगामे से अन्य यात्रियों में अफरा-तफरी फैल गई। चलती ट्रेन में हुई इस घटना ने महिला यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोकल ट्रेनों में बढ़ते विवाद और यात्रियों के हिंसक व्यवहार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लगातार बढ़ती भीड़ और मामूली बातों पर होने वाली मारपीट के बीच सवाल उठ रहा है कि आखिर लोकल यात्रियों का सफर सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस कब ठोस कदम उठाएंगे।

अटल सेतु से पुणे की राह होगी आसान

90 मिनट तक बचेगा सफर, 7.35 किलोमीटर लंबे छह लेन के मार्ग का 67 प्रतिशत काम पूरा

मुंबई, यशभारत। *मुंबई से पुणे का सफर अब पहले के मुकाबले अधिक तेज और सुगम होने वाला है। अटल सेतु (मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक) को मुंबई-पुणे द्रुतगति मार्ग से जोड़ने वाले छह लेन के ऊंचे मार्ग का 67 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अनुसार, इस परियोजना के पूरा होने पर दक्षिण मुंबई से पुणे पहुंचने में 60 से 90 मिनट तक की बचत होगी।*

7.35 किलोमीटर लंबा यह मार्ग चिरले और पलासपे के बीच बनाया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वाहन चालकों को पनवेल के व्यस्त मुख्य जंक्शन से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे पुणे और गोवा की ओर जाने वाले वाहनों को यातायात जाम से राहत मिलेगी। परियोजना के चिरले हिस्से में 155 में से 153 खंभों का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं, पलासपे हिस्से में नींव का 71 प्रतिशत और खंभों का 38 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। इस मार्ग से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह तक पहुंचना भी आसान होगा। साथ ही मुंबई-पुणे और मुंबई-गोवा मार्गों के बीच संपर्क मजबूत होगा। इससे यात्रियों के साथ माल परिवहन को भी गति मिलने की उम्मीद है।

केईएम में सीढ़ियों के सहारे इलाज

एक सप्ताह से बंद लिफ्ट मरीज परेशान

मुंबई, यशभारत। *मुंबई के केईएम अस्पताल में मरीजों की परेशानी ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। अस्पताल की हड्डी रोग इमारत की लिफ्ट पिछले एक सप्ताह से बंद है। इसके चलते फ्रैक्चर पीड़ित, दिव्यांग और शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों को सीढ़ियों के सहारे आवाजाही करनी पड़ रही है। स्थिति इतनी गंभीर है कि पैर में प्लास्टर चढ़ा एक मरीज सीढ़ियों पर बैठकर नीचे उतरने को मजबूर हुआ। इसका वीडियो प्रसारित होने के बाद अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।*



मामले को लेकर मुंबई महानगरपालिका में शिवसेना के समूह नेता अमेय घोले ने प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सवाल उठाया कि गरीब मरीजों के लिए बने अस्पताल में उपचार से पहले उन्हें सीढ़ियां चढ़ने की परेशानी क्यों झेलनी पड़ रही है? आरोप है कि लिफ्टों की सुरक्षा और मरम्मत के लिए 6 नवंबर को निविदा जारी की गई, लेकिन समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ। घोले ने बंद लिफ्ट तत्काल शुरू करने, जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

एनसीपी के विलय पर सुनेत्रा पवार ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं- सही समय आने पर सब पता चल जाएगा

पुणे/बारामती, यशभारत। *महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय को लेकर चल रही अटकलों के बीच उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। बारामती में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने न तो विलय की संभावना से इनकार किया और न ही इसकी पुष्टि की। उन्होंने इतना ही कहा कि सही समय आने पर सब पता चल जाएगा।*



सुनेत्रा पवार ने कहा कि आज की पत्रकार वार्ता का विषय अलग है। उन्हें पता है कि पत्रकार एक अन्य मुद्दे को लेकर अधिक उत्सुक हैं, लेकिन समय आने पर सभी को जानकारी मिल जाएगी। उनके इस बयान के बाद दोनों एनसीपी गुटों के एक होने की चर्चाओं को फिर हवा मिल गई है। दरअसल, हाल के दिनों में एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल की शरद पवार से मुलाकात और सुनेत्रा पवार के बेटे एवं सांसद पार्थ पवार की उनसे दो बार हुई मुलाकात के बाद विलय की अटकलें तेज हुई हैं। प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे भी कह चुके हैं कि अजीत पवार जीवित होते तो दोनों गुटों का विलय फरवरी में ही हो गया होता। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि दोनों गुटों के एक होने का फैसला उनकी जानकारी के बिना संभव नहीं है। बारामती में आयोजित पत्रकार वार्ता में सुनेत्रा पवार ने भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 11 से 18 नवंबर तक मनाए जा रहे जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह की जानकारी दी। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आदिवासी समुदाय से इन कार्यक्रमों में भाग लेने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

राम मंदिर जाने से पहले अखिलेश 100 बार करें गोमूत्र से स्नान -नितेश राणे

शिवसेना नेता शायना एनसी ने भी साधा निशाना कहा- अयोध्या यात्रा आस्था नहीं चुनावी राजनीति से प्रेरित



मुंबई, यशभारत। *समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के ऐलान पर महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन एवं बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने विवादित बयान देते हुए कहा कि अखिलेश यादव को राम मंदिर में प्रवेश करने से पहले कम से कम 100 बार गोमूत्र से स्नान करना चाहिए।*

राणे ने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन के नेता हिंदू धर्म के खिलाफ हैं और बाबरी मस्जिद तथा बाबर का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं के मन में राम मंदिर और सनातन धर्म के प्रति सम्मान नहीं है। वे लगातार हिंदू धर्म के खिलाफ बयान देते रहते हैं।

वहीं, शिवसेना नेता शायना एनसी ने भी अखिलेश यादव की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश को पहले कारसेवकों से माफी मांगनी चाहिए थी। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के समय उन्हें अयोध्या जाना चाहिए था। अब चुनाव नजदीक आने पर दर्शन की बात करना आस्था के बजाय चुनावी राजनीति से प्रेरित लगता है। इस बयानबाजी से अयोध्या यात्रा को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है।

2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

महाराष्ट्र की 48 सीटों पर बनाएगी संपर्क केंद्र

मुंबई, यशभारत। *महाराष्ट्र में कांग्रेस ने वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। पार्टी राज्य की सभी 48 लोकसभा सीटों पर संगठन मजबूत करने के लिए विशेष संपर्क केंद्र स्थापित करेगी। इसके माध्यम से प्रदेश नेतृत्व और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच सीधा संवाद कायम किया जाएगा।*

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद के अनुसार, पहले चरण में कम से कम 16 संपर्क डेस्क बनाए जाएंगे। प्रत्येक डेस्क तीन लोकसभा और 18 विधानसभा क्षेत्रों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। इन केंद्रों के जरिए कार्यकर्ताओं की सक्रियता, मतदाता सूची का सत्यापन, स्थानीय समितियों के गठन और चुनावी अभियानों की नियमित समीक्षा की जाएगी। पार्टी निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को दोबारा सक्रिय करने के लिए डिजिटल माध्यमों और व्यक्तिगत संपर्क का सहारा लेगी। इसके अलावा नेताओं के कामकाज, संगठनात्मक योगदान और स्थानीय स्तर पर उनके प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा। इसी प्रदर्शन के आधार पर भविष्य में संगठनात्मक पदों और नियुक्तियों पर निर्णय लिया जा सकता है। कांग्रेस का उद्देश्य चुनाव से पहले संगठन को मजबूत, सक्रिय और जवाबदेह बनाना है, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

त्योहार की खुशियों पर महंगाई की मार

भाई दूज पर चांदी की चमक ने ढाया जेब पर कहर, एक ही दिन में 3,657 रुपये किलो उछले भाव

मुंबई, यशभारत। *भाई-बहन के प्रेम और अटूट रिश्ते का प्रतीक भाई दूज इस बार महंगाई की मार के बीच मनाया गया। बहनों को चांदी के सिक्के, पायल, बिछिया और आभूषण भेंट करने की परंपरा निभाने वाले भाइयों को इस बार अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ी। चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों ने त्योहार की खरीदारी का बजट बिगाड़ दिया।*



बुधवार को चांदी की कीमत में अचानक जोरदार उछाल आया। घरेलू वायदा बाजार में चांदी 3,657 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 1,86,233 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एक ही दिन में आई इस तेजी ने खरीदारों को हैरान कर दिया। चांदी के बढ़ते भाव का असर मुंबई के सर्राफा बाजार में भी दिखाई दिया। त्योहार के लिए खरीदारी करने पहुंचे ग्राहकों ने कीमतें देखकर अपने बजट में कटौती की। कई लोगों ने भारी आभूषणों के बजाय कम वजन के गहने और छोटे सिक्के खरीदना बेहतर समझा। चांदी के आभूषणों पर निर्माण शुल्क और वस्तु एवं सेवा कर जुड़ने से उनकी कीमत और बढ़ गई। भाई दूज पर बहन को दिया जाने वाला उपहार प्रेम और अपनत्व का प्रतीक होता है, लेकिन इस बार चांदी की महंगाई ने इस परंपरा को महंगा बना दिया। त्योहार की खुशियों के बीच चांदी की चमक आम परिवारों की जेब पर भारी पड़ी।

मुंबई से नवी मुंबई नहीं जाएंगी उड़ानें

फडणवीस ने एयरपोर्ट संचालक के प्रस्ताव को ठुकराया

मुंबई, यशभारत। *महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट कर दिया है कि मुंबई हवाई अड्डे से किसी भी उड़ान को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुंबई हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें अगले वर्ष से 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की उड़ानों को नवी मुंबई स्थानांतरित करने की योजना थी।*



फडणवीस ने मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के लिए वैकल्पिक योजना भी सुझाई है। उन्होंने संचालक को पत्र लिखकर पहले टर्मिनल-1बी का निर्माण पूरा करने, उसके बाद टर्मिनल-1ए की उड़ानों को वहां स्थानांतरित करने और फिर पुराने टर्मिनल को हटाने का सुझाव दिया है। इससे निर्माण कार्य के दौरान भी हवाई अड्डे का संचालन जारी रखा जा सकेगा।

दरअसल, मुंबई हवाई अड्डे की संचालक कंपनी टर्मिनल-1 के पुनर्निर्माण के लिए करीब 50 लाख यात्रियों की क्षमता को अन्यत्र स्थानांतरित करना चाहती है। इसके तहत बहरीन, दोहा, दुबई क्षेत्र के कुछ शहरों, जेद्दा, काठमांडू और रियाद सहित 14 अंतरराष्ट्रीय मार्गों की उड़ानें नवी मुंबई भेजने का प्रस्ताव था। विमानन कंपनियों ने भी इस योजना पर आपत्ति जताई थी। अब मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से इस विवाद में नया मोड़ आ गया है।

चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई ! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष — ला, ली, लू, ले, लो, आ
लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष — इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, च, के, को, ह
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या — टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक — ते, तो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर — भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।

फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

होर्मुज में तीन तेल टैंकरों में भीषण विस्फोट

ईरान की अमेरिका को चेतावनी- प्रतिबंधित रास्ते से गुजरे तो भुगतना होगा अंजाम

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। यहां तीन तेल टैंकरों में भीषण विस्फोट होने से समुद्री क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ईरान ने दावा किया है कि तीनों जहाज प्रतिबंधित समुद्री मार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। घटनाओं के बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसके बताए गए प्रतिबंधित रास्तों से गुजरने की कोशिश करने वाले जहाजों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। होर्मुज में हुए विस्फोटों के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें तेल टैंकरों से काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। आईआरजीसी की आधिकारिक समाचार एजेंसी चसिपाह न्यूजज के मुताबिक, दोपहर करीब दो बजे जारी बयान में बताया गया कि दो टैंकरों ने होर्मुज पार करने के लिए अपनी नेविगेशन और पहचान प्रणाली बंद कर दी थी। ईरान का



आरोप है कि इन जहाजों ने प्रतिबंधित समुद्री रास्ते से गुजरने का प्रयास किया था।
ईरानी पक्ष के अनुसार, इनमें से एक टैंकर समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया, जिससे उसमें जोरदार विस्फोट हुआ। वहीं दूसरा टैंकर अमेरिकी लड़ाकू विमानों के समर्थन से प्रतिबंधित समुद्री रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसमें भी धमाका हुआ और आग लग गई। हालांकि, इन घटनाओं को लेकर स्वतंत्र रूप से सभी दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

तीसरे टैंकर में रात को हुआ विस्फोट

ईरानी नौसेना ने रात करीब 8.30 बजे जारी बयान में तीसरे तेल टैंकर में विस्फोट की जानकारी दी। उसके मुताबिक, यह जहाज भी प्रतिबंधित समुद्री रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था और समुद्री बारूदी सुरंग की चपेट में आ गया। लगातार तीन जहाजों में विस्फोट की खबरों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।
आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि होर्मुज के अनधिकृत समुद्री रास्ते बेहद खतरनाक हैं। अमेरिकी सेना की मदद से इन रास्तों से गुजरने की कोशिश करने वाले जहाजों को गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। इस चेतावनी को अमेरिका के लिए सीधे संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।
गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में निगरानी और नियंत्रण कड़ा कर दिया था। इसके बाद से ईरान की ओर से अमेरिकी और इजरायली हितों से जुड़े जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने की बात कही जाती रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में शामिल है। ऐसे में यहां बढ़ता सैन्य तनाव और जहाजों में हुए विस्फोट अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार तथा वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकते हैं।

घने कोहरे में भीषण सड़क हादसा, 86 वाहन आपस में भिड़े; 12 की मौत, 46 घायल



सोफिया,एजेंसी। बुल्गारिया में घने कोहरे के कारण मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। राजधानी सोफिया को काला सागर के बंदरगाह शहर बर्गास से जोड़ने वाले हाईवे पर एक के बाद एक 86 वाहन आपस में टकरा गए। इस दर्दनाक हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 46 लोग घायल हुए हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और कुछ में आग भी लग गई। हादसे के बाद हाईवे को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना योतोवा ने अपना पेरिस दौरा बीच में ही समाप्त कर दिया। वह पेरिस पीस फोरम में शामिल होने गई थीं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने कार्यक्रम छोड़कर स्वदेश लौटने का फैसला किया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भी मंगलवार को बुल्गारिया के दौरे पर थीं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद प्रधानमंत्री रुमेन रादेव उनसे मुलाकात छोड़कर घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। अधिकारियों के अनुसार हादसे की शुरुआत हाईवे की पूर्व दिशा की ओर जाने वाली लेन में हुई। घना कोहरा होने के कारण वाहन चालकों को आगे चल रहे वाहनों का अंदाजा नहीं लग सका और देखते ही देखते कई गाड़ियां एक-दूसरे से टकराती चली गईं। कुछ देर बाद हाईवे की दूसरी लेन, जो राजधानी सोफिया की ओर जाती है, वहां भी वाहनों की भिड़ंत हो गई। दूसरी ओर हुए हादसे को देखने के प्रयास में कुछ चालकों का ध्यान सड़क से हट गया, जिससे वे भी दुर्घटना का शिकार हो गए। अधिकारियों ने तेज रफ्तार को भी हादसे की गंभीरता बढ़ने का एक कारण बताया है।
याम्बोल क्षेत्र के गवर्नर जॉर्जी चालाकोव ने बताया कि टक्कर के बाद कई लोग अपने वाहनों के भीतर फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव दल को सड़क किनारे लगे सुरक्षा बैरियर के कुछ हिस्से काटने पड़े। घना कोहरा इतना अधिक था कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर की मदद भी नहीं ली जा सकी। दुर्घटना के दौरान एक वाहन में आग लग गई।

त्रिपुरा निकाय चुनाव में बिना वोटिंग के 77 सीटें जीती BJP

धलाई , एजेंसी। त्रिपुरा में 27 नवंबर को होने वाले शहरी स्थानीय निकाय चुनावों यानी ह्रड्डड्ढठ्ठ स्रष्ठड्ढद्य क्कस्रद्बद्गह्य श्वद्यद्गह्लद्बश्ठह्य में बिना वोटिंग के ही क्कह्वक के 77 उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए हैं। बता दें कि बीते मंगलवार को उम्मीदवारी वापस लेने का प्रोसेस पूरा होने के बाद त्रिपुरा राज्य चुनाव आयोग यानी स्थ्रष्ट ने सत्तारूढ़ बीजेपी के 77 कैंडिडेट्स को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया है। इसी के साथ वोटिंग से पहले क्कह्वकको 77 सीटों पर लीड मिल गई है। त्रिपुरा राज्य चुनाव आयोग के एक सीनियर अफसर के मुताबिक, 5 नगर निकायों- साउथ त्रिपुरा जिले में शांतिर बाजार, पश्चिम त्रिपुरा जिले में रानीर बाजार और धलाई जिले में कमलपुर, जिरानिया और मोहनपुर-की 65 सीटों पर किसी भी अन्य राजनीतिक पार्टी ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे, इसलिए बीजेपी के सभी 65 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। इसके अलावा, बीजेपी उम्मीदवार धलाई जिले के अंबासा, सिपाहीजाला जिले के बिशालगढ़ और खोवाई जिले के तेलियामुरा में 3 नगर निकायों की 12 सीटों पर जीते हैं। गौरतलब है कि ष्ठक्कहरूऔर कांग्रेस ने 27 नवंबर को होने वाले त्रिपुरा शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में साथ मिलकर उतरने की कोशिश की थी। लेकिन, दोनों पार्टियों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। वे किसी चुनावी समझौते तक नहीं पहुंच सके। सियासी रूप से अहम ये चुनाव 27 नवंबर को त्रिपुरा के सभी 8 जिलों के कुल 21 शहरी स्थानीय निकायों में से 16 में होंगे।

पहाड़ी राज्यों में बारिश, बंगाल की खाड़ी में नई आफत

देश के कई हिस्सों में बदलेगा मौसम का मिजाज

नई दिल्ली(ईएमएस)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने देश के विभिन्न हिस्सों के लिए 11 से 16 नवंबर के दौरान बारिश, तेज हवाओं और बिजली चमकने की चेतावनी जारी की है। इस दौरान जहां पहाड़ी राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है, वहीं बंगाल की खाड़ी में एक नई कम दबाव प्रणाली के विकसित होने से दक्षिणी राज्यों में भी भारी बारिश की आशंका है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक आंधी और बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 14 से 16 नवंबर के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और इस दौरान 40-50 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में 16 नवंबर तक और उत्तराखंड में 12-13 नवंबर को बारिश का अनुमान है। पंजाब में भी 12 से 16 नवंबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश के आसार बन रहे हैं।



अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 16 नवंबर तक लगातार तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। यहां 14 नवंबर तक भारी बारिश के साथ 40-60 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और सिक्किम में 12 नवंबर तक हल्की बारिश की बात कही है। पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी 12 नवंबर तक बारिश और बिजली कड़कने की संभावना है। मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की विशेष चेतावनी जारी की गई है। इसी बीच, बंगाल की खाड़ी में नई मौसमी आफत की आहट मिली है। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि 13 नवंबर को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। एक महीने से भी कम समय में यह चौथी बार होगा जब इस क्षेत्र में ऐसी प्रणाली विकसित होगी। इस प्रणाली के प्रभाव से तमिलनाडु में व्यापक बारिश होने की उम्मीद है। वैज्ञानिक इसकी गति पर पैनी नजर रखे हुए हैं, क्योंकि ऐसी रिपोर्टें हैं कि यह चक्रवात अर्णब और मुरासु के बाद लगातार तीसरे चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और चेन्नई तथा उसके पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु तट से टकरा सकता है। विभाग के अनुसार, 13 नवंबर के आसपास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने वाला यह कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 24 घंटों के दौरान एक स्पष्ट कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो जाएगा। इसके प्रभाव से 14 और 15 नवंबर को अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाएं 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती हैं। इन दिनों में अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है, जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

सीआरपीएफ हमले में बरी शख्स की थाने के करीब हत्या



-कानून-व्यवस्था पर फिर उठे गंभीर सवाल

रामपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में मंगलवार को मोहम्मद शरीफ की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। शरीफ वह व्यक्ति था जिसे 2007 में सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए हमले के मामले में सेशन कोर्ट से पहले फांसी की सजा मिली थी, लेकिन बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मृत्युदंड रद्द कर दिया था। जेल से रिहा होने के बाद शरीफ खजुरिया थाने से पुलिस वेरिफिकेशन कराकर अपने बेटे के साथ बाइक से घर लौट रहा था। थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर एक बाइक पर सवार दो नकाबपोश हमलावरों ने उसे निशाना बनाया और ताबड़तोड़ चार गोलियां दाग दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।यह वारदात थाने से महज कुछ कदम दूर हुई, जिसने रामपुर में कानून-व्यवस्था और पुलिस की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद खुफिया तंत्र भी अलर्ट हो गया है। इस घटना ने पुलिस की सक्रियता, गश्त और अपराधियों में कानून के खौफ को लेकर कई सवाल उठाए हैं। मृतक के बेटे मोहम्मद वाहिद ने बताया कि उनके पिता की किसी से कोई खास रंजिश नहीं थी, जिससे हत्या के पीछे का मकसद और भी गहरा गया है। परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, खजुरिया थाने में तैनात एक सिपाही ने शरीफ को मंगलवार सुबह से ही कई बार फोन कर थाने बुलाया था। जब मोहम्मद शरीफ अपने पुत्र मोहम्मद वाहिद खां के साथ थाने पहुंचे ।

परिसीमन बिल को लेकर कांग्रेस को क्यों दिख रही साजिश?

88 दिनों से संसद की नहीं हुई बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की संसद में बीते 88 दिनों से कोई बैठक नहीं हुई है, लेकिन मानसून सत्र अब तक औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है। संसद के इतिहास में यह असामान्य देरी अब राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी है। कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह परिसीमन विधेयकों को फिर संसद में लाने और उन्हें पारित कराने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर इन विधेयकों के समर्थन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मोदी सरकार की कथित बुलडोजर कार्यशैली को लेकर भी विपक्ष को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।
संसद की आखिरी बैठक 9 को हुई थी। इसके बाद



लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया, लेकिन सत्रावसान की औपचारिक घोषणा नहीं हुई। इस तरह संसद 88 दिनों तक तकनीकी रूप से चालू रही और 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सत्र समाप्त नहीं होने के कारण सरकार के पास कम समय के नोटिस पर संसद की बैठक फिर बुलाने का विकल्प मौजूद है। कांग्रेस इसी स्थिति को परिसीमन विधेयकों से जोड़कर देख रही है।दरअसल, केंद्र सरकार परिसीमन प्रक्रिया के जरिए 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना चाहती है। मौजूदा कानून के तहत महिला आरक्षण का क्रियान्वयन निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़ा हुआ है। प्रस्तावित योजना में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने की संभावना भी शामिल है।हालांकि, कांग्रेस सहित विपक्षी दल प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल करने से राज्यों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन बिगड़ सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों को लोकसभा में अपनी हिस्सेदारी कम होने का खतरा है।गौरतलब है कि 17 अप्रैल को केंद्र सरकार का 131वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े थे। विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी 352 वोट नहीं मिल पाए। संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन के लिए उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई समर्थन जरूरी है। ऐसे में कांग्रेस को आशंका है कि सरकार दोबारा बहुमत जुटाकर परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकती है।



बंधक बनाकर दुष्कर्म किया फिर प्राइवेट पार्ट में डाला कारतूस

पटना(ईएमएस)। बिहार में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ जघन्य अपराधों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बेगूसराय में चार महीने पहले सामूहिक दुष्कर्म और बर्बरता का शिकार हुई एक महिला पर सोमवार रात फिर जानलेवा हमला किया गया, उसे छत से नीचे फेंक दिया गया। वहीं, रोहतास जिले में रास्ता भटकी एक नाबालिग छात्रा को बुआ के घर पहुंचाने के बहाने ऑटो चालक और उसके तीन साथियों ने सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनाया।बेगूसराय के चकिया थाना क्षेत्र में हुई इस घटना में पीड़िता को गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता ने बताया कि सोमवार देर रात करीब 12 बजे गांव के ही दो बदमाशों ने उसे मोबाइल पर कॉल कर बुलाया। जैसे ही उसने दरवाजा खोला, बदमाशों ने उसका फोन छीन लिया और जबरन छत पर ले जाकर बालों से पकड़कर मारपीट की और नीचे फेंक दिया। वह एक बड़े बक्से (ट्रंक) पर गिरी, जिससे उसकी कमर में गंभीर चोट आई है। चार माह पहले इसी महिला को बंधक बनाकर सामूहिक दरिंदगी की गई थी और उसके प्राइवेट पार्ट में कारतूस व लकड़ी के टुकड़े डाल दिए गए थे, जो हैवानियत की इंतहा थी। पीड़िता को शक है कि इस घटना के पीछे उन आरोपितों का हाथ है जो चार माह पहले हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जेल में हैं।चकिया थाना प्रभारी गौतम कुमार ने जानकारी दी कि घटना के बाद एक आरोपित घोंघल निषाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि चार माह पूर्व की सामूहिक दरिंदगी के मामले में गांव के रामू महतो और नीतीश महतो को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। हालांकि, एक अन्य आरोपित सूरज महतो अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उसके घर की कुर्की-जब्ती कर चुकी है और उस पर इनाम की भी घोषणा की गई है। दूसरी ओर, रोहतास जिले के डेहरी में भी मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां बुआ के घर गई एक नाबालिग छात्रा रास्ता भटक गई थी। कुछ महिलाओं ने उसे अकेला देखकर एक ऑटो चालक को किराए पर उसकी बुआ के घर पहुंचाने का आग्रह किया।

बिहार में गैंगरेप जैसे घिनौने अपराधों में हो रहा इजाफा

सीजेपी नेता दीपके को मिली राहत, व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली(ईएमएस)। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके को एक महत्वपूर्ण राहत मिली है। उन्हें एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने चल रही जांच के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी गई है। यह मामला 16 अक्टूबर को हुए एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित है। दीपके मंगलवार को मंदिर मार्ग थाने में पेश नहीं हुए। उनके वकील अभिक चिमनी ने बताया कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें यह छूट प्रदान की। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को निर्धारित की गई है।पिछली सुनवाई के दौरान दीपके के वकील को पुलिस की रिपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की प्रतियां दी गई थीं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने दीपके को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे शांति बनाए रखने के लिए एक बॉन्ड भरने को कहा गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ हफ्ते पहले ही दीपके को एक मजिस्ट्रेट द्वारा सशर्त जमानत दी गई थी। उन्हें यह जमानत तब मिली थी जब उन पर पहले भरे गए शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। इस जमानत की एक मुख्य शर्त यह थी कि उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखनी होगी और ऐसा कोई काम नहीं करना होगा जिससे शांति भंग हो। अभिजीत दीपके को 16 अक्टूबर को उस समय हिरासत में लिया गया था जब वे लहरा दो तिरंगा अभियान के दौरान मार्च में शामिल होने के लिए कनॉट प्लेस जा रहे थे।

विश्व विज्ञान दिवस पर आंचलिक विज्ञान केंद्र में हुए रोचक वैज्ञानिक आयोजन

दूरबीन से देखा शनि ग्रह और सूर्य के धब्बे, विज्ञान प्रश्नोत्तरी व प्रयोगों से विद्यार्थियों ने समझे वैज्ञानिक सिद्धांत

भोपाल, यश भारत। विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल में विभिन्न शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना था। कार्यक्रम में उन्नत दूरबीनों की मदद से सूर्य के धब्बों का अवलोकन कराया गया। वहीं हमारे आसपास का विज्ञान विषय पर विशेष प्रदर्शन के जरिए दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रयोगों से समझाया गया। विद्यार्थियों के लिए ओपन हाउस विज्ञान प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शनि ग्रह का लाइव दूरबीन अवलोकन रहा। इस दौरान दर्शकों ने शनि के छल्लों को देखा और



खगोल विज्ञान से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रकाश को पृथ्वी से शनि तक पहुंचने में करीब 72 मिनट लगते हैं जबकि 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन से वहां पहुंचने में लगभग 1475 वर्ष लगेंगे।

इस प्रकार शुरुआत में कैंसर का पता चलेगा



नई दिल्ली, एजेंसी।कैंसर एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जिसका इलाज बेहद ही मुश्किल और दर्दनाक है। कई तरह के कैंसर ऐसे भी होते हैं, जिनका कोई इलाज ही नहीं है। इसीलिए शुरुआत में ही लक्षणों को पहचानकर अगर हम डॉक्टर के पास जायें तो कैंसर की रोकथाम की जा सकती है। इसके लिए आपको थोड़ा सतर्क और जागरुक रहना पड़ेगा। अगर आपको कोई भी दिक्कत बार-बार होती है, तो इसे हल्के से नहीं लेते हुए अपने डॉक्टर से ज़रूर संपर्क करें। ये हैं कैंसर की शुरुआत भी हो सकती है। अगर आपको अक्सर सांस लेने में दिक्कत होती है और सांस लेते वक्त आवाज़ भी सुनाई देती है, तो यह फेफड़े के कैंसर की शुरुआत के संकेत हो सकते हैं।

सीने में दर्द और लंबी खांसी

कैंसर के कई मरीज़ बाजू और सीने में दर्द की शिकायत करते हैं। ये ट्यूमर और रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) का संकेत हो सकता है।

बार-बार संक्रमण और बुखार

ल्यूकेमिया के शुरुआती दिनों में मरीज़ को बार-बार इंफेक्शन और बुखार होता है। ऐसा इसीलिए, क्योंकि शरीर में सफेद रक्त कणों की गिनती सामान्य नहीं रहती। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति भी प्रभावित होती है ऐसे में बुखार और संक्रमण बार -बार होने लगता है। गले का कैंसर होने पर मरीज़ को खाना निगलने में दिक्कत होती है। बांहों के नीचे या गर्दन पर सूजन लिम्फ नोड्स बीन्स की शेप में ग्लैंड्स होते हैं। कैंसर के शुरू होने पर यह सूज सकते हैं और अंडरआर्म के नीचे या गर्दन पर देखे जा सकते हैं।

चोट लगना और खून निकलना

ल्यूकेमिया के कारण लाल रक्त कण और प्लेटलेट्स में बदलाव हो सकता है, जिससे रक्त स्राव (ब्लीडिंग) का भी खतरा बढ़ जाता है।

हमेशा थकान रहना

जब शरीर ज़रूरत से ज़्यादा काम करता है, तब तो थकान होती ही है, पर थकान का हमेशा रहना भी कैंसर का संकेत हो सकता है।

पेट के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पेट के निचले हिस्से में दर्द रहता है और पेट फूला-फूला भी रहता है। यह ओवेरियन कैंसर का संकेत हो सकता है।

पेट का फूलना और वज़न बढ़ना

अगर आपका पेट अक्सर फूला रहता है और आप बिना किसी वजह के फूलते जा रहे हो, तो यह भी ओवेरियन कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

पीठ के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पीठ के निचले हिस्से में अक्सर दर्द रहता है। यह ब्रेस्ट ट्यूमर का भी लक्षण हो सकता है या लिवर कैंसर का भी। इसीलिए, अगर आपको अक्सर इस जगह दर्द रहती है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

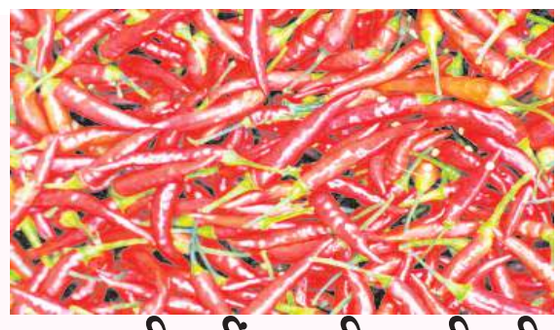
विटामिन बी3 से आंखों में ग्लॉकोम का खतरा होता है कम

नई दिल्ली, एजेंसी। पानी में विटामिन बी3 डालने से आंख की रोशनी कम होने की बीमारी (ग्लॉकोम) के खतरे को कम किया जा सकता है। इससे आंखें स्वस्थ रहती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इलाज के लिए आंखों में बार-बार ड्रॉप्स डालना महंगा पड़ता है। वहीं, पानी में विटामिन बी3 डालकर पीना सुरक्षित और सस्ता तरीका है। बुजुर्गों के लिए हर रोज़ आंखों में दवाई डालना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में यह उपचार उनके लिए आसान है। पूरी दुनिया में करीब 80 मिलियन लोग ग्लॉकोम से पीड़ित हैं और आईड्राप्स पर निर्भर रहते हैं। यह बीमारी आंखों में एक्सट्रा प्रेशर के कारण होती है, क्योंकि इसमें नर्व्स डैमेज हो जाती हैं। फैमिली हिस्ट्री या डायबिटीज़ के कारण, ग्लॉकोम होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसका ट्रीटमेंट आईड्रॉप्स हैं, जो सभी को सूट नहीं करते, और आंखों में जलन भी पैदा करते हैं। गंभीर मामलों में मरीज़ की सर्जरी या लेज़र थेरेपी करनी पड़ती है।



ग्लॉकोम के लक्षण

आंख में दर्द, उल्टी, आंख का लाल होना आदि। अचानक से आंख की रोशनी कम होना भी इस बीमारी का संकेत है। वैसे तो इस बीमारी को ठीक करना मुश्किल है, लेकिन कुछ तरीके अपनाने से ऐसा ज़रूर हो सकता है कि आंखों की रोशनी ज़्यादा कम न हो। इसके लिए पहले तो इस बीमारी को पहले स्टेज में ही पकड़ लेना ज़रूरी है, क्योंकि इसमें रोशनी कम होने की प्रक्रिया बेहद धीमी रहती है। आंखों में दबाव को कम करने के प्राकृतिक तरीके। अपनी जीवनशैली में कुछ ऐसे बदलाव करके जिनसे की आपका ब्लड प्रेशर कम हो, आंखों के दबाव को भी कम करता है। इस उपचार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। जैसे आपका इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, यह आपके रक्तचाप का कारण बनता है, और इससे आपकी आंखों पर दबाव भी बढ़ता है। समय के साथ आपका शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी बन जाता है। यह उन लोगों को ज़्यादा होता है, जो डायबिटीज़, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज़ हैं। इसका समाधान यह है कि आपको अपनी डाइट में चीनी और अनाज कम करना होगा। अगर आपको ग्लॉकोम है या इसके बारे में चिंतित हैं, तो आप ये सब खाने से बचें ब्रेड, पास्ता, चावल, अनाज और आलू। नियमित रूप से व्यायाम करें- इंसुलिन के स्तर को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है व्यायाम, जैसे- एरोबिक्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग। इससे इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और आंखों की रोशनी भी बचाई जा सकती है। ओमेगा -3 फैट सप्लीमेंट- इसे लेने से भी इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। डीएचए नामक ओमेगा -3 फैट आंखों के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। यह आंखों की रोशनी नहीं जाने देता। डीएएच सहित ओमेगा -3 फैट, मछली में पाए जाते हैं, लेकिन विशेषज्ञ मछली न खाने की राय देते हैं। उनके मुताबिक इस फैटी एसिड का सबसे अच्छा स्रोत है क्रिल ऑयल। हरी सब्जियां खाएं- ल्यूटिन और ज़ेक्थिन से आंखों की रोशनी बढ़ती है। ल्यूटिन हरी, पत्तेदार सब्जियों में विशेष रूप से बड़ी मात्रा में पाया जाता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट है और आंखों के सेल्स को खराब होने से बचाता है।



स्वाद ही नहीं बढ़ाती हर बीमारी में राहत भी दिलाती है लाल मिर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने में थोड़ा मसालेदार स्वाद लाने के लिए अक्सर लोग लाल मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि यह सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। यह मिर्च खासकर अपने तेज लाल रंग और तीखेपन की वजह से जाना जाता है, इसके साथ ही इसके अंदर छिपे गुण कई बीमारियों से सुरक्षा देने में मददगार होते हैं। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, लाल मिर्च विटामिन ए का बड़ा स्रोत है। यह विटामिन आंखों की रोशनी के लिए बेहद जरूरी होता है, साथ ही शरीर के कई अंगों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। अगर आप रोजाना सिर्फ एक छोटी चम्मच लाल मिर्च का पाउडर अपने खाने में डालते हैं, तो विटामिन ए की कमी आपके शरीर में कभी नहीं होगी। विटामिन ए के अलावा, इसमें विटामिन बी6, विटामिन के और विटामिन सी भी पाए जाते हैं। विटामिन के खून को साफ करने में मदद करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है, जबकि विटामिन सी हमारे शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और सर्दी-जुकाम से बचाता है। वैज्ञानिक शोध के मुताबिक, लाल मिर्च के अंदर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स हमारे शरीर की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाता है और कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। इससे कैंसर और दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है जिसे कैप्सैसिन कहा जाता है। यही कैप्सैसिन मिर्च को तीखा बनाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। कैप्सैसिन सूजन को कम करता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाता है और वजन कम करने में भी सहायक होता है।

मुंहासों को ठीक करने करें ये उपाय



नई दिल्ली, एजेंसी। किशोरावस्था में कदम रखते ही हार्मोन में आये बदलावों के कारण कई प्रकार की समस्याएं भी आती हैं। इन्हीं में से एक है चेहरे पर होने वाले मुंहासे (एक्ने) । एक्ने को आयुर्वेदिक उपचार से ठीक किया जा सकता है। दरअसल त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नम रखने के लिए एक तेल निकलता है। ये ग्रंथियां चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर बंद हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो आगे चलकर एक्ने का कारण बनते हैं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता होती है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका प्रभाव ज्यादा होता है। आइए हम आपको एक?ने के उपचार के लिए आयुर्वेद तरीकों के बारे में बताते हैं।

एक्ने की समस्या

कुछ लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से भी होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे जैसे बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और ज्यादा फैल सकता है। दरअसल टीनेज में हार्मोंस में लगातार बदलाव आते रहते हैं, नतीजन चेहरे पर दाग, धब्बे, मुंहासे और एक्ने की समस्या होने लगती हैं। एक्ने ऐसी समस्या है जो आमतौर पर टीनेज और युवावस्था में अधिक होती है। अगर आपके परिवार में पहले भी परिवार वालों को एक्ने रहे हैं यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससे बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। एक्ने त्वचा का एक विकार है। एक प्रकार से यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। गाय के ताजे दूध में चिरौंजी पीसकर इसका लेप बनाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इससे एक्ने की समस्या से निजात मिलेगी। चमेली के तेल को सुहागा में मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें। इससे चेहरे पर होने वाली जलन पर बहुत आराम मिलेगा। मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं। मुंहासों को दूर करने के लिए जायफल भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं।

त्योहारी खरीदारी के बाद भारी क्रेडिट कार्ड बिल से कैसे बचें, जानें कर्ज चुकाने के तरीके

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में आकर्षक छूट, कैशबैक और नो-कॉस्ट ईएमआई के ऑफर देखकर लोग अक्सर जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेते हैं। शुरुआत में ये ऑफर फायदेमंद लगते हैं, लेकिन महीने के अंत में क्रेडिट कार्ड का भारी बिल परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में समय पर भुगतान नहीं करने पर ब्याज और अन्य शुल्क का बोझ बढ़ने लगता है। इसलिए खरीदारी के बाद क्रेडिट कार्ड के बिल को सही तरीके से संभालना और कर्ज चुकाने की योजना बनाना जरूरी है। कानपुर के रोहित मिश्रा इसका उदाहरण हैं। उन्होंने त्योहारों के दौरान स्मार्टफोन, टीवी और घरेलू सामान खरीदा। विभिन्न ऑफर के चलते उनका कुल खर्च 1.20 लाख रुपये तक पहुंच गया। अब उनके सामने एकमुश्त बिल चुकाने की चुनौती है। ऐसी स्थिति में सबसे पहले कुल बकाया राशि, ब्याज दर और भुगतान की अंतिम तारीख की जानकारी लेनी चाहिए। इसके बाद मासिक आय में से जरूरी खर्च निकालकर यह तय करना चाहिए कि हर महीने कितनी रकम कर्ज चुकाने के लिए उपलब्ध है। क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग उसकी उपलब्ध लिमिट को अपनी कमाई समझने लगते हैं। जबकि क्रेडिट कार्ड बैंक की ओर से दी गई उधार की सुविधा है, जिसे निर्धारित समय में लौटाना होता है। पूरा बिल समय पर नहीं चुकाने पर बची हुई रकम पर ब्याज लग सकता है। इसलिए कार्ड से खरीदारी करने से पहले अपनी आय और खर्च का आकलन करना चाहिए। केवल इसलिए



अतिरिक्त सामान नहीं खरीदना चाहिए कि कार्ड में पर्याप्त लिमिट उपलब्ध है। क्रेडिट कार्ड के बिल में कुल बकाया राशि के साथ मिनिमम अमाउंट ड्यू यानी न्यूनतम देय राशि भी दी जाती है। तय तारीख तक न्यूनतम रकम जमा करने से आमतौर पर विलंब शुल्क से बचा जा सकता है, लेकिन इससे पूरा कर्ज खत्म नहीं होता। बची हुई रकम पर ब्याज जुड़ता रहता है। इसके अलावा पूरा बिल नहीं चुकाने पर नई खरीदारी पर मिलने वाली ब्याज मुक्त अवधि भी समाप्त हो सकती है। इसलिए केवल न्यूनतम भुगतान को नियमित आदत बनाने के बजाय पूरा बिल चुकाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि क्रेडिट कार्ड का बकाया बहुत अधिक है और एकमुश्त भुगतान संभव नहीं है, तो पर्सनल लोन लेने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, ऐसा करने से पहले दोनों विकल्पों की कुल लागत की तुलना करना जरूरी है। पर्सनल लोन की ब्याज दर और अन्य शुल्क क्रेडिट कार्ड के बकाया पर लगने वाले ब्याज से कम होने चाहिए। साथ ही यह भी देखना चाहिए कि मासिक किस्त चुकाने की क्षमता है या नहीं। लंबी अवधि का लोन लेने से किस्त कम हो सकती है, लेकिन कुल ब्याज बढ़ सकता है। पर्सनल लोन से पुराना बिल चुकाने के बाद दोबारा गैरजरूरी खरीदारी करने से बचना भी जरूरी है। नो-कॉस्ट ईएमआई को भी पूरी तरह मुफ्त सुविधा समझना सही नहीं है। कई मामलों में बैंक ईएमआई पर ब्याज लगाता है और ब्रांड या विक्रेता उतनी ही रकम की छूट दे देता है। इसके बावजूद ग्राहक को प्रोसेसिंग फीस और उस पर जीएसटी देना पड़ सकता है। उदाहरण के तौर पर, 60 हजार रुपये का टीवी छह महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई पर खरीदने पर हर महीने 10 हजार रुपये की मूल किस्त बनेगी। यदि प्रोसेसिंग फीस 999 रुपये है और उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है, तो ग्राहक को करीब 1,179 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। ईएमआई चुनने से पहले मिलने वाली छूट का हिसाब लगाना भी जरूरी है।

गुल्लक से समझें अपनी आर्थिक स्थिति बचत के साथ निवेश करना भी जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुल्लक को आमतौर पर पैसे जमा करने का एक साधारण जरिया माना जाता है, लेकिन आर्थिक प्रबंधन में इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। यह आमदनी और खर्च का स्पष्ट हिसाब रखने का तरीका है। इसे एक ऐसे डिब्बे की तरह समझा जा सकता है, जिसके एक हिस्से में आमदनी और दूसरे हिस्से में खर्च दर्ज होते हैं। वेतन, कारोबार से होने वाली आय, किराया, लाभांश और ब्याज आमदनी के स्रोत हैं, जबकि राशन, स्कूल फीस, ईएमआई, बिजली का बिल और पेट्रोल जैसे खर्च इसमें शामिल होते हैं। छोटी-छोटी खरीदारी का हिसाब रखना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि महीने के अंत में यही खर्च बड़ी रकम बन सकते हैं। हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए उसकी गुल्लक यानी बजट भी अलग होना चाहिए। किसी युवा नौकरीपेशा व्यक्ति के खर्च में किराया, ईएमआई और बाहर खाने का हिस्सा अधिक हो सकता है। वहीं, गृहिणी के बजट में राशन, घर की मरम्मत और बच्चों की स्कूल फीस प्रमुख हो सकती है। सेवानिवृत्त व्यक्ति की आमदनी का मुख्य स्रोत



पेंशन हो सकता है, जबकि उसके खर्च में दवाइयों और इलाज पर होने वाला खर्च अधिक रहता है। इस तरह आमदनी और खर्च का हिसाब व्यक्ति की जीवनशैली और आर्थिक जिम्मेदारियों की वास्तविक तस्वीर सामने लाता है। आर्थिक बजट भी कपड़े की सिलाई की तरह व्यक्ति की जरूरत के अनुसार तैयार होना चाहिए। जिस तरह दर्जी नाप लेकर कपड़ा तैयार करता है, उसी तरह अपने खर्च और आमदनी को समझकर बनाया गया बजट अधिक उपयोगी होता है। सामान्य बजट से केवल एक अनुमान मिलता है, जबकि व्यक्तिगत बजट आपकी वास्तविक आर्थिक स्थिति बताता है। इसके लिए एक ओर आमदनी के सभी स्रोत और दूसरी ओर खर्च की पूरी जानकारी लिखनी चाहिए।

त्योहारी सीजन में महंगाई का झटका, साबुन डिटर्जेंट के बाद चीनी, अंडे और चिकन भी महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में आम लोगों की जेब पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम पहले से ही ऊंचे बने हुए हैं। अब रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले साबुन और डिटर्जेंट की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है। एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। दूसरी ओर, चीनी की कीमतों में भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। आने वाले महीनों में अंडे और चिकन महंगे होने की आशंका से घरेलू बजट पर और दबाव बढ़ सकता है। एचयूएल ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड के कई उत्पादों की अधिकतम खुदरा



कीमतों में 11 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। अलग-अलग पैक के आकार के अनुसार कीमतों में एक से 10 रुपये तक इजाफा किया गया है। इससे रोजमर्रा में इन उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले परिवारों का मासिक खर्च बढ़ सकता है। सर्फ एक्सेल क्विक वॉश के एक किलो पैक की कीमत 235 रुपये से बढ़ाकर 245 रुपये कर दी गई है। वहीं, 500 ग्राम के पैक पर पांच रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सर्फ एक्सेल ईजी वॉश के एक किलो पैक की कीमत अब 172 रुपये हो गई है। इसके अलावा सर्फ एक्सेल बार और बड़े बंडल पैक के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इस तरह अलग-अलग पैक खरीदने वाले ग्राहकों को अब पहले से अधिक कीमत चुकानी होगी। रिन और व्हील के उत्पादों की कीमतों में भी इजाफा किया गया है। रिन आला के 500 मिलीलीटर पैक की कीमत 90 रुपये से बढ़ाकर 95 रुपये कर दी गई है। व्हील डिटर्जेंट पाउडर के एक किलो पैक पर तीन रुपये और 500 ग्राम पैक पर एक रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही मोती गुलाब साबुन के 150 ग्राम पैक की कीमत भी 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये हो गई है। साबुन और कपड़े धोने के उत्पादों के दाम बढ़ने से आम परिवारों के रोजमर्रा के खर्च में इजाफा होना तय है।

अमेरिका-ईरान तनाव घटने की उम्मीद से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 10 नवंबर को भी क्रूड ऑयल के भाव में कमजोरी बनी रही। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल बाजार पर दबाव बनाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान के बाद निवेशकों को लग रहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई आगे बढ़ने की आशंका कम हो सकती है। बाजार में आई गिरावट के बीच ब्रेंट क्रूड का भाव 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड करीब 86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में आई इस नरमी को वैश्विक भू-राजनीतिक हालात में संभावित बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है। निवेशक अमेरिका और ईरान के बीच आगे होने वाली गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह दोनों देशों के बीच तनाव कम होने की संभावना है। व्हाइट हाउस में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी के



साथ बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपनी सैन्य तैयारियों को लेकर पूरी तरह सतर्क है, लेकिन वह संघर्ष को जल्द समाप्त करना चाहता है। इस बयान से बाजार में यह संकेत गया कि अमेरिका टकराव को आगे बढ़ाने के बजाय उसे समाप्त करने का रास्ता तलाश सकता है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद राजनीतिक समीकरणों में भी बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इससे ईरान के खिलाफ लंबे समय तक सैन्य अभियान चलाने की अमेरिकी रणनीति पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। बाजार को उम्मीद है कि यदि दोनों देशों के बीच तनाव कम होता है तो कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर बनी चिंताएं दूर हो सकती हैं। इसी संभावना के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें अक्टूबर के अंत में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं। इसके बाद से इसमें लगातार कमजोरी देखने को मिली है। हालिया गिरावट के दौरान अप्रैल 2020 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट भी दर्ज की गई है। हालांकि, कीमतों में नरमी के बावजूद तेल बाजार से भू-राजनीतिक जोखिम पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन पाई है। ईरान की मांग है कि अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करे। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हमले रोके और अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर रियायत दे। इन मुद्दों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बनने से क्षेत्र में तनाव दोबारा बढ़ने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में तेल की कीमतों में आगे भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। पश्चिम एशिया में ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने चेतावनी दी है कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े जोखिम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को दोबारा निशाना बनाया गया।

शुरुआती 2 महीने बेहद मुश्किल थे, टीम इंडिया से बाहर होने पर छलका
सूर्यकुमार यादव का दर्द



मुंबई, यशभात। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ङ्ग20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि, इस खिताब जीत के बाद सूर्यकुमार को न केवल कप्तानी गंवानी पड़ी, बल्कि टीम से भी बाहर कर दिया गया। सूर्या के लिए ये एक बड़ा झटका था, जिसको लेकर अब उन्होंने बड़ा बयान दिया है। सूर्यकुमार ने अब पहली बार खुलकर बताया है कि टीम से बाहर होने के बाद उनके लिए शुरुआती दो महीने कितने मुश्किल रहे। हालांकि, इस दौर में उनकी जिंदगी में एक बड़ी खुशी भी आई। मई में बेटी के जन्म के बाद उनका पूरा ध्यान परिवार की ओर चला गया। अब सूर्या ने बताया है कि वह एक बार फिर उसी जुनून के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी।

सूर्यकुमार यादव ने टी20 मुंबई लीग के सेलिब्रेशन ऑफ चैंपियंस कार्यक्रम में अपने मुश्किल दौर पर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम से बाहर होना उनके लिए काफी कठिन रहा। सूर्या ने कहा कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। वह इस सच्चाई से मुंह नहीं छिपाना चाहते। अगर आप खुद के साथ ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना बहुत मुश्किल है।

टीम से बाहर होना बहुत मुश्किल

उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो टीम का हिस्सा नहीं होना बहुत मुश्किल रहा है। लेकिन इसी दौरान द्ब्रुक्के समय मई में उन्हें बेटी के रूप में बड़ी खुशी मिली। उनका पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद के पिछले कुछ महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। हालांकि, शुरुआती दो महीने बहुत मुश्किल थे। फिर उन्होंने सोचा कि क्यों न दोबारा वैसा ही सोचना शुरू करूं, जैसा वह पहले सोचा करता थे। जब उन्होंने क्रिकेट शुरू किया था, तब वह सिर्फ यही सोचते थे कि मुंबई के लिए एज-ग्रुप क्रिकेट खेलूं और फिर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करूं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में करेंगे कप्तानी



सूर्यकुमार ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ ङ्ग20 वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उस मैच में भारत ने 96 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। अब वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए सूर्या लय हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे।

आईपीएल 2027 से पहले बहुत बड़ा ऐलान, हार्दिक पांड्या की बदली टीम

मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 से पहले एक और बड़ा ऐलान हो गया है। जिस ट्रेड को लेकर पिछले काफी दिन से चर्चा चल रही थी, आखिरकार उसने अंतिम रूप ले लिया है। हार्दिक पांड्या अब मुंबई इंडियंस को छोड़कर नई टीम में चले गए हैं। उनकी नई टीम अब पंजाब किंग्स होगी, हालांकि इसको लेकर अभी सस्पेंस है कि क्या वे पंजाब के नए कप्तान बनेंगे या फिर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ही खेलते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह अब पंजाब किंग्स का हिस्सा नहीं रहे हैं, वे मुंबई इंडियंस चले गए हैं। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल हो गए हैं। एमआई और पीबीकेएस के बीच बड़ी डील हो गई है, इसका अब आधिकारिक ऐलान भी कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच एक एक खिलाड़ी की अदला बदली हुई है। हार्दिक पांड्या मुंबई से पंजाब चले गए हैं, वहीं अर्शदीप सिंह पंजाब को छोड़कर मुंबई चले गए हैं। दोनों प्लेयर्स की सैलरी का भी ऐलान कर दिया गया है। हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस में 16.35 करोड़ रुपये मिल रहे थे, लेकिन अब जब वे पंजा? किंग्स चले गए हैं तो उनकी सैलरी बढ़कर 18 करोड़ रुपये हो गई है। अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

दूसरी बार छूटा है हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस से साथ- मुंबई इंडियंस से ही अपने आईपीएल करियर का आगाज करने वाले हार्दिक पांड्या ने दूसरी बार अपनी टीम छोड़ी है। साल 2015 में हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ पहली बार नजर आए थे। इसके बाद वे साल कई साल तक टीम के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। साल 2022 के आईपीएल से पहले अचानक टीम ने मुंबई इंडियंस ने उन्हें रिलीज कर दिया और वे सीधे गुजरात टाइटंस चले गए और वहां की कप्तानी भी की। खास बात ये रही कि पहली ही बार में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल का खिताब भी अपने नाम कर लिया। इसके बाद वे साल 2023 में भी अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में कामयाब रहे। लेकिन साल 2024 में वे वापस मुंबई इंडियंस आ गए। इस बार रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक को टीम का नया कप्तान बनाया गया, लेकिन टीम का प्रदर्शन तब से लेकर अब तक लगातार खराब ही रहा।



श्रेयस अय्यर हैं अभी पंजाब किंग्स के कप्तान- पंजाब किंग्स की कप्तानी इस वक्त श्रेयस अय्यर कर रहे हैं, जो भारत की टी20 टीम के भी कप्तान हैं। अभी तक पंजाब की ओर से श्रेयस अय्यर को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है, ऐसे में देखना यही होगा कि हार्दिक पांड्या टीम के लिए क्या केवल खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे या फिर उन्हें कोई और भूमिका भी दी जाएगी।

अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में मिलेंगे 18 करोड़ रुपये

बात अगर अर्शदीप सिंह की करें तो उनके बारे में हमने आपको पहले ही बताया कि मुंबई इंडियंस में उन्हें 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। साल 2019 में पहली बार अर्शदीप सिंह की आईपीएल में पंजाब किंग्स से ही एंट्री हुई थी, तब से लेकर अब तक वे इसी टीम के लिए खेल रहे थे। इस दौरान पिछले आठ सीजन में अर्शदीप सिंह ने टीम के लिए 96 मैच खेलकर 111 विकेट अपने नाम किए हैं। खास बात ये है कि वे पंजाब के लिए अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। अब दोनों खिलाड़ी नई टीम के साथ अगले सीजन नजर आएंगे, उसमें दोनों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड

लंदन (ईएमएस)। प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रॉ के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले शनिवार को नॉटिंघम फॉरेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा। गौरतलब है कि कोच पद के लिए कई बड़े नाम दौड़ में हैं। यूनाइटेड स्टेट्स के मौजूदा मुख्य कोच मौरिसियो पोचेतीनो प्रमुख उम्मीदवारों में से एक माने जा रहे हैं। अगस्त में उन्होंने यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध का विस्तार किया था पर यह माना जाता है कि उस डील में ऐसी शर्तें शामिल हैं जो उन्हें विशेष नौकरियों के लिए जाने की अनुमति देंगे। कहा जा रहा है कि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व मुख्य कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन भी कैरिक की जगह ले सकते हैं। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का स्थायी मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। जनवरी में जब वह अंतरिम हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उनका कार्यकाल बेहद सफल रहा था। उन्होंने 16 में से 11 गेम जीते थे और यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया था, जो उनके आने के बाद से प्रीमियर लीग में सबसे अधिक अंक जमा करने का रिकॉर्ड था। लेकिन घरेलू फॉर्म का वह सिलसिला मौजूदा अभियान में जारी नहीं रह पाया है। यूनाइटेड ने अपने शुरुआती 10 प्रीमियर लीग गेम में से केवल एक जीता है और ब्राइटन एंड होव एल्बियन से काराबाओ कप से भी बाहर हो गया है।



आर्यवीर सहवाग ने 160 रन ठोकने के बाद खोला राज, कहा- किसी से बड़ा वादा किया था

नई दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग नाम की चर्चा जब भी होती है, तो फैंस के जेहन में तूफानी बल्लेबाजी की तस्वीर उभर आती है। वीरेंद्र सहवाग ने अपने पूरे करियर में गेंदबाजों की जमकर खबर ली। अब उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 19 एशिया कप 2026 में कमाल कर दिया। श्र के खिलाफ अहम मैच में आर्यवीर ने बल्ले से जमकर कहर बरपाया, जिसका विपक्षी गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद आर्यवीर ने अपनी इस बड़ी पारी के पीछे का राज भी बताया। दरअसल, आर्यवीर ने खुलासा किया कि श्र के खिलाफ उतरने से पहले उन्होंने किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। पिच थोड़ी टर्न कर रही थी। उन्होंने शुरुआत में ही तय कर लिया था कि लंबी बल्लेबाजी करूंगा और करीब 40 ओवर तक क्रीज पर टिके रहने की कोशिश करूंगा। पिच पर चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने डॉट बॉल की चिंता नहीं की। उन्हें पता था कि वह बाद में इसकी भरपाई कर लेंगे।



पिता से किया वादा निभाया

उन्होंने आगे कहा कि वह बड़ा स्कोर बनाना चाहते थे। उन्होंने आज किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था और शुक्र है कि वह ऐसा कर पाये।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान



मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा



करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर

मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।







बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं



फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

मां का जनाजा लेकर दस घंटे तक भटकता रहा बेटा

कब्रिस्तान के चक्कर काटते रहे परिजन, केडीएमसी के लिखित आश्वासन पर हुई दफनविधि

कल्याण, यशभारत। *मां के निधन के बाद उसे सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए एक बेटे को करीब दस घंटे तक भटकना पड़ा। कल्याण के मोहोने निवासी वसीमुनिसा काझी के निधन के बाद परिजन उल्हासनगर और कल्याण के कब्रिस्तानों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन क्षेत्राधिकार का हवाला देकर दोनों जगह दफनविधि की अनुमति नहीं मिली। आखिरकार, केडीएमसी प्रशासन के लिखित आश्वासन के बाद कल्याण (पश्चिम) के टेकड़ी कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।*



वसीमुनिसा लंबे समय से कोमा में थीं। बुधवार सुबह निधन के बाद परिजन उन्हें दफनाने उल्हासनगर कब्रिस्तान पहुंचे, लेकिन वहां से लौटा दिया गया। टेकड़ी कब्रिस्तान में भी अनुमति नहीं मिली। इससे नाराज परिजनों ने शव मनपा आयुक्त के बंगले के सामने ले जाने का निर्णय लिया, लेकिन पुलिस ने उन्हें प्रेम ऑटो परिसर में रोक दिया। इसके बाद करीब तीन घंटे तक परिजनों, पुलिस, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मनपा अधिकारियों के बीच चर्चा चली। अंततः प्रशासन ने लिखित आश्वासन दिया कि मनपा आयुक्त सोमवार को बैठक लेकर क्षेत्राधिकार और कब्रिस्तान विवाद पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके बाद टेकड़ी कब्रिस्तान में दफनविधि की अनुमति दी गई। कांग्रेस गुटनेता कांचन कुलकर्णी, जिलाध्यक्ष नवीन सिंह और ठाकरे गुट के रुपेश भोईर ने स्थायी कब्रिस्तान की मांग की। उन्होंने मोहोने में कब्रिस्तान के लिए आरक्षित भूखंड की जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई।

दिवाली की भीड़ में चोरों की चांदी

उड़ाया सवा लाख का माल

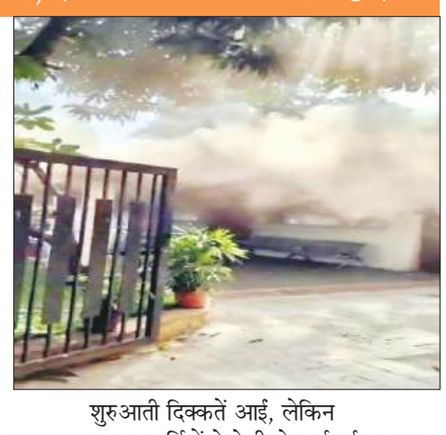
ठाणे, यशभारत। *दीपावली के दौरान ठाणे में चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं में चोरों ने करीब 1.24 लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। पहली घटना वर्तकनगर के लेकशोर मॉल स्थित तनिष्क ज्वैलर्स की है। यहां से 34 हजार रुपये कीमत की दो ग्राम सोने की अंगूठी चोरी हो गई। सीसीटीवी में 25 से 30 वर्ष की एक महिला ग्राहकों की भीड़ का फायदा उठाकर अंगूठी चुराती दिखाई दे रही है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।*

दूसरी घटना ठाणे रेलवे स्टेशन की है। प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर बदलापुर फास्ट लोकल के प्रथम श्रेणी डिब्बे में चढ़ते समय ओम गांधी का 90 हजार रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मैक्स चोरी हो गया। ठाणे रेलवे पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

मंत्री गणेश नाईक के सरकारी बंगले में भीषण आग

एसी में खराबी से भड़की लपटें, दमकल की सतर्कता से टला हादसा

मुंबई, यशभारत। *मंत्रालय के बेहद करीब स्थित महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गणेश नाईक के सरकारी बंगले 'पवनगड' में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग बंगले के एक कमरे में लगे एयर कंडीशनर (एसी) में खराबी के कारण लगने की प्राथमिक आशंका जताई गई है। आग की लपटों और धुएं से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई।*



जानकारी के अनुसार, मंत्रालय बस स्टैंड के सामने आमदार निवास परिसर स्थित बंगले में सुबह करीब 11:43 बजे आग लगी। सूचना मिलते ही मुंबई अग्निशमन दल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सुबह 11:55 बजे आग को लेवल-1 घोषित कर दमकलकर्मियों ने मोर्चा संभाला। बंगले में धुआं भरने से बचाव कार्य में शुरुआती दिक्कतें आईं, लेकिन दमकलकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई कर आग को दूसरे कमरों तक फैलने से रोक दिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बंगले में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल घटनास्थल पर आग बुझाने के बाद ठंडा करने का अभियान जारी है। आग के कारणों और नुकसान का आकलन जांच के बाद होगा।

आदिवासी बस्तियों तक पहुंची सरनाईक परिवार की दिवाली

पानखंडा में मजदूरों संग मनाया दीपोत्सव

मीरा-भाईंदर, यशभारत। *परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने परिवार के साथ घोड़बंदर रोड स्थित पानखंडा की आदिवासी बस्ती में खेतिहर मजदूरों और आदिवासी परिवारों के बीच दिवाली मनाई। इस दौरान पार्षद परिषा प्रताप सरनाईक ने आदिवासी कलाकारों के साथ पारंपरिक तारपा नृत्य किया।*

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री और जरूरतमंद परिवारों को दिवाली का राशन वितरित किया गया। सरनाईक परिवार ने आदिवासियों के साथ बैठकर दिवाली के पकवानों का आनंद भी लिया। प्रताप सरनाईक ने कहा कि दिवाली की असली खुशी समाज के हर वर्ग के साथ खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। आयोजन के जरिए सामाजिक एकता, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया गया।

दिनदहाड़े सामाजिक कार्यकर्ता पर चाकू से जानलेवा हमला

तीन हमलावरों ने पेट में घोंपा चाकू, आरोपी फरार

वसई, यशभारत। वसई (पश्चिम) के दीनदयाल नगर में मंगलवार सुबह तीन हमलावरों ने सामाजिक कार्यकर्ता आनंद पाटील पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पाटील को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे पाटील सड़क से गुजर रहे थे।

तभी मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उन्हें जालाराम मंदिर के सामने रोक लिया। एक हमलावर ने उनके पेट के बाईं ओर चाकू से वार कर दिया। इसके बाद तीनों फरार हो गए। आरोपियों की मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट नहीं थी। वे चाकू और उसका खोल घटनास्थल पर छोड़ गए। कुछ दूरी पर उनकी मोटरसाइकिल भी मिली है। माणिकपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए चार टीमें बनाई हैं। वरिष्ठ निरीक्षक प्रतापराव कदम ने बताया कि जांच जारी है।

ठाणे की शौर्या ने यूथ ओलंपिक में जीता कांस्य पदक

13.70 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ 13.59 सेकंड में पूरी की 100 मीटर बाधा दौड़

ठाणे, यशभारत। ठाणे की होनहार एथलीट शौर्या अंबुरे ने डकार 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स में कांस्य पदक जीतकर देश और महाराष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शौर्या ने 13.59 सेकंड में दौड़ पूरी कर तीसरा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ उसने 13.70 सेकंड का पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़कर नया कीर्तिमान बनाया।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शौर्या ने शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया। वह पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अविनाश अंबुरे और रूपाली अंबुरे की बेटी हैं। नियमित अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिश्रम के दम पर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, जिला खेल अधिकारी सुवर्णा बारटक्के सहित जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने शौर्या को बधाई दी। उनकी सफलता से ठाणे के खेल जगत में खुशी का माहौल है।

बच्चों ने दिवाली पर बनाया सुवर्णदुर्ग

छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को किया जीवंत

मीरा रोड, यशभारत। मीरा रोड (पूर्व) स्थित श्री शाश्वत कॉम्प्लेक्स के बच्चों ने दिवाली पर मिट्टी और पत्थरों से ऐतिहासिक सुवर्णदुर्ग किले की भव्य प्रतिकृति तैयार की। इस पहल के जरिए बच्चों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली नौसैनिक विरासत और शौर्य को जीवंत किया।

सोसायटी में वर्ष 2015 से हर दिवाली पर किला निर्माण की परंपरा जारी है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराष्ट्र के इतिहास और किलों के महत्व से परिचित कराना है। कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष विशाल पाटील ने बताया कि बच्चों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए सोसायटी इस पहल को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। बाल प्रतिभागी मुग्धा ने बताया कि सभी बच्चों ने मिलकर किला बनाया और इतिहास को करीब से जाना। बच्चों की मेहनत से तैयार यह प्रतिकृति क्षेत्रवासियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।



धूमधाम से मना यादव समाज का गोवर्धन पूजा महोत्सव

दीपावली स्नेह मिलन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

भिवंडी, यशभारत। भिवंडी के मानसरोवर स्थित फेने गांव के मोनालिसा मैरिज हॉल में यादव समाज गोवर्धन पूजा समिति की ओर से गोवर्धन पूजा महोत्सव एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसमें भिवंडी, कल्याण, डोंबिवली, ठाणे, मुलुंड, अंधेरी और मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से यादव समाज के लोग परिवार सहित शामिल हुए। यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय सीताराम यादव ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला प्रकृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण का संदेश देती है। यह पर्व पर्यावरण संरक्षण, सहयोग और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। धीरेंद्र पाल म्यूजिकल ग्रुप की गायिका श्रेया यादव ने भोजपुरी गीतों से श्रोताओं का मन मोह लिया। आचार्य हिमांशु कुमार ने विधिवत पूजा संपन्न कराई। कार्यक्रम में भाजपा नेता आर.डी. यादव, अजय यादव, मोतीलाल यादव, डी.पी. यादव, शशिकांत यादव, नगरसेविका गीता विठोबा नाईक, नगरसेवक नितेश एंकर, डॉ. शैलेश और एडवोकेट सुभाष यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में अध्यक्ष डॉ. बृजेश यादव, कार्याध्यक्ष पी.डी. यादव, महासचिव मगेश यादव सहित समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने योगदान दिया।

पुराने बिजली बकायादारों को राहत का मौका

महावितरण अभय योजना में ब्याज माफी के साथ 20 प्रतिशत तक छूट

भिवंडी, यशभारत। टोरेंट पावर ने अपने वितरण क्षेत्र के उपभोक्ताओं से महावितरण अभय योजना 2026-27 का लाभ उठाने की अपील की है। इस योजना के तहत महावितरण की पुरानी लंबित बिजली बकाया राशि का रियायती शर्तों पर भुगतान किया जा सकता है। योजना 6 नवंबर, 2026 से 15 जनवरी, 2027 तक लागू रहेगी। इसके अंतर्गत बकाया राशि पर देय ब्याज में 100 प्रतिशत छूट, पात्र उपभोक्ताओं को ब्याज मुक्त किस्तों की सुविधा और एकमुश्त भुगतान पर अतिरिक्त रियायत मिलेगी। 15 दिसंबर, 2026 से पहले एकमुश्त भुगतान करने वाले पात्र उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि में 10 से 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त छूट मिल सकती है। टोरेंट पावर ने उन उपभोक्ताओं से भी योजना का लाभ लेने की अपील की है, जिनका नया कनेक्शन, नाम परिवर्तन या बिजली भार में बदलाव पुराने बकाये के कारण रुका हुआ है। अधिक जानकारी के लिए ग्राहक सेवा केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

डहाणू के गांवों में तेंदुए का खौफ



चिंचणी में पकड़ाया तेंदुआ ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

डहाणू, यशभारत। पालघर जिले के डहाणू और आसपास के तटीय इलाकों में तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इसी बीच चिंचणी के बिंबरेपाडा में वन विभाग ने एक तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया। दो दिन पहले इसी इलाके में तेंदुए ने हर्षद राऊत की वाड़ी में एक बछड़े को मार डाला था। इसके बाद वन विभाग ने घटनास्थल के पास पिंजरा लगाकर निगरानी शुरू की थी। बुधवार सुबह तेंदुआ पिंजरे में फंसा मिला। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इससे पहले आसनगांव में खेत में काम कर रही एक महिला की तेंदुए के हमले में मौत हो गई थी। तणाशी और बावडा सहित कई इलाकों में बछड़ों, बकरियों और मुर्गियों पर हमले हुए हैं। जिले में अब तक दो लोगों की मौत और एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी है। वाढवण, वरोर, चिंचणी, वासगांव सहित कई गांवों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने अतिरिक्त पिंजरे लगाने की मांग की है। वन विभाग ने लोगों से रात में अकेले बाहर नहीं निकलने और तेंदुआ दिखने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है।

नियमों को ताक पर रख महापौर ने दी शुभकामनाएं

बिना अनुमति और शुल्क होर्डिंग लगाने का आरोप, मनपा प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

कल्याण, यशभारत। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध होर्डिंग का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। इस बार आरोप है कि महापौर ने भी बिना अनुमति और शुल्क चुकाए दीपावली की शुभकामनाओं वाले होर्डिंग लगवाए हैं। शहर में जगह-जगह लगे इन होर्डिंग को लेकर नागरिकों ने सवाल उठाए हैं।



मनपा की आम सभाओं में विभिन्न दलों के नगरसेवक अवैध होर्डिंग का मुद्दा उठाते रहे हैं। प्रशासन ने ऐसे होर्डिंग लगाने वालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इसके बावजूद त्योहारों के दौरान राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के होर्डिंग लगाए जाने का सिलसिला जारी है। अब महापौर के होर्डिंग सामने आने से मनपा के नियमों के पालन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मनपा का संपत्ति विभाग ऐसे होर्डिंग पर समय रहते कार्रवाई नहीं करता। फिलहाल यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रतिबंधों के बावजूद ठाणे में जमकर आतिशबाजी

दो दिनों में दो दर्जन से अधिक जगह लगी आग कई पक्षियों की मौत, 10 पर मामला दर्ज



ठाणे, यशभारत। जिला प्रशासन के प्रतिबंधों के बावजूद दीपावली पर ठाणे में जमकर आतिशबाजी हुई। सार्वजनिक स्थानों पर रॉकेट और आकाशदीप उड़ाए गए। इसके चलते दो दिनों में शहर के दो दर्जन से अधिक स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हुईं। कचरे के ढेर, प्लास्टिक की छतों, पेड़ों और लकड़ी के गोदामों में आग लगी। हालांकि, इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वागले इस्टेट के रहेजा गार्डन स्थित 17 मंजिला कार्लाइल इमारत के डक्ट में आग लगने से बचाव दल ने 50 निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला। आतिशबाजी के कारण प्रदूषण बढ़ने के साथ कई बेजुबान पक्षियों की भी मौत हुई। रॉकेट उड़ाने और आतिशबाजी करने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चितलसर-मानपाड़ा पुलिस ने पवार नगर की सिद्धांचल सोसायटी में पांच लोगों पर कार्रवाई की। वहीं वर्तक नगर पुलिस ने उपवन तालाब, कापूरबावड़ी पुलिस ने लोढ़ा क्राउन और आशापुरा तथा कासारवडवली पुलिस ने हीरानंदानी एस्टेट और विहंग वैली में कार्रवाई की। आरोपियों में बालकनी से आतिशबाजी करने वाले लोग भी शामिल हैं।

वाशी में खेल परिसर के लिए सियासी घमासान

सोनवी लाड ने खोला मोर्चा, 15 दिन का अल्टीमेटम

नवी मुंबई, यशभारत। वाशी में प्रस्तावित खेल परिसर को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। वाशी सेक्टर-10 स्थित भूखंड पर इनडोर स्टेडियम और आधुनिक खेल परिसर बनाने की मांग को लेकर नगरसेविका सोनवी अविनाश लाड ने सत्ताधारी पक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस मुद्दे पर आयोजित पत्रकार परिषद में उन्होंने आरोप लगाया कि स्थायी समिति में परियोजना का प्रस्ताव नामंजूर कर खिलाड़ियों के हितों की अनदेखी की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि करोड़ों रुपये के अन्य प्रस्ताव कुछ ही मिनटों में मंजूर हो जाते हैं, लेकिन बच्चों और खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़ी परियोजना को मंजूरी क्यों नहीं मिलती? लाड ने कहा कि वाशी और आसपास कई शैक्षणिक संस्थान होने के बावजूद खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि प्रस्ताव मंजूर नहीं हुआ तो नागरिकों और सभी दलों के पदाधिकारियों के साथ आंदोलन, क्रमिक भूख हड़ताल और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



दिवाली की रोशनी के बीच अंधेरे में डूबा चिमाजी अप्पा स्मारक

बंद पड़ीं लाइटें तो शिवसेना ने दी आंदोलन की चेतावनी

वसई, यशभारत। वसई-विरार में दिवाली की रोशनी के बीच मराठा शौर्य और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक नरवीर चिमाजी अप्पा स्मारक अंधेरे में डूबा हुआ है। स्मारक परिसर की स्ट्रीट लाइटें और विद्युत रोशनी बंद होने से नागरिकों में महानगरपालिका प्रशासन के प्रति नाराजगी है। वसई पश्चिम में किले के प्रवेश द्वार के पास स्थित इस स्मारक में चिमाजी अप्पा की अश्वारूढ़ प्रतिमा और उद्यान है। वर्ष 1739 में उनके नेतृत्व में मराठा सेना ने पुर्तगालियों को हराकर वसई किले पर विजय हासिल की थी। हर साल यहां दीपोत्सव और विजय दिवस मनाया जाता है। शिवसेना (उद्धव गुट) के जिला अध्यक्ष प्रथमेश राऊत ने स्मारक की उपेक्षा को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संबंधित सहायक आयुक्त से संपर्क करने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। राऊत ने चेतावनी दी कि जल्द रोशनी बहाल नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

पटाखों के धुएं से बढ़ सकता है स्ट्रोक का खतरा

याददाश्त पर भी पड़ सकता है असर

मुंबई, यशभारत। दिवाली के बाद मुंबई में बढ़े वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। पटाखों से निकलने वाले पीएम 2.5 के सूक्ष्म कण फेफड़ों के साथ मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से स्ट्रोक का खतरा बढ़ने और याददाश्त प्रभावित होने की आशंका है।

9 नवंबर को मुंबई का वायु गुणवत्ता सूचकांक 171 दर्ज किया गया, जबकि आठ निगरानी केंद्रों पर हवा की गुणवत्ता खराब रही। कई इलाकों में एक्यूआई 200 के पार पहुंच गया। वॉकहार्ट अस्पताल, मीरा रोड के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. पवन किशोर पई के अनुसार, पीएम 2.5 के कण रक्तप्रवाह में पहुंचकर सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ा सकते हैं। इससे मस्तिष्क की रक्त वाहिकाएं प्रभावित होकर स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने प्रदूषण अधिक होने पर खुले में व्यायाम से बचने और बाहर निकलते समय एन-95 मास्क पहनने की सलाह दी है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

नाकाबंदी में पुलिस पर जानलेवा हमला

कॉन्स्टेबल को कार से टक्कर मार 200 मीटर तक घसीटा, दो आरोपी फरार

नवी मुंबई, यशभारत। *नवी मुंबई के कलंबोली में नाकाबंदी के दौरान एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। वाहनों की जांच कर रहे पुलिसकर्मी को तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कॉन्स्टेबल दिलीप भोई कार के बोनट पर जा गिरे। इसके बावजूद चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और उन्हें करीब 200 मीटर तक घसीटता हुआ फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।*

जानकारी के अनुसार, कलंबोली इलाके में पुलिस नियमित नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने तेज रफ्तार कार को रुकने का इशारा किया।



आरोप है कि चालक ने रुकने के बजाय सामने खड़े कॉन्स्टेबल भोई को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार में सवार दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। जांच में पता चला है कि कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। कलंबोली पुलिस दोनों आरोपियों और कार की तलाश कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को इस तरह टक्कर मारकर घसीटने की घटना ने पुलिस सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा*
महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)